सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
मूल्य ₹ 3/-
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक 213 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार 10 सितम्बर, 2026

उपयुक्त समय आने पर वृक्ष में फल लगता है। झड़ने का समय आने पर वह झड़ जाता है। सदा किसी की अवस्था एक जैसी नहीं रहती, इसलिए दु:ख के समय पछताना व्यर्थ है।
-रहीम दास

भारत-बांग्लादेश के बीच सेमीफाइनल... 7 | राजस्थान से लेकर बिहार तक... 3 | भाजपा बेईमान लोगों का गिरोह... 2

सात दिन में वोटर लिस्ट में जुड़ गया राघव चड्ढा का नाम

बाकी देश क्यों तरस रहा है?

» आप ने उठाये गंभीर सवाल, कहा बैक डोर से जोड़ा गया नाम

» देश मांगे जवाब- जिस देश में डिजिटल क्रांति के जनक नंदन नीलेकणि का नाम 2002 के रिकॉर्ड से नहीं मिल रहा वहां राघव चड्ढा के नाम के लिए सात दिन की रफ्तार आखिर किस लोकतांत्रिक एक्सप्रेस से आई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एक आम हिंदुस्तानी अपना नाम मतदाता सूची में बचाए रखने के लिए इन दिनों कागजों की गठरी लेकर सरकारी दफ्तरों के चक्कर काट रहा है। बीएलओ की चिरौरी कर रहा है वह पुराने रिकॉर्ड तलाश रहा है दावे आपत्तियां दाखिल कर रहा है लेकिन एसआईआर में कटा नाम नहीं जुड़ पा रहा है वही राष्ट्रवाद का ताजा ताजा जूस पीकर आम आदमी पार्टी छोड़कर बीजेपी ज्वाइन करने वाले नेता राघव चड्ढा हैं जिनका वोटिंग लिस्ट में नाम महज सात दिनों के भीतर जोड़ दिया गया।

उनका नाम पंजाब की वोटिंग लिस्ट से कट गया था बाद में बिजली की तेजी की तरह दिल्ली की वोटिंग लिस्ट में जुड़ गया है। राघव चड्ढा का नाम जुड़ने के बाद देश में भूचाल सी स्थिति पैदा हो गयी है और आम वोटर खुद को ठगा हुआ सा महसूस कर रहा है। सोशल मीडिया पर राघव चड्ढा प्रकरण पर मीम बनाए जा रहे हैं और मजाक उठाती रील की भरमार है। आम आदमी पार्टी ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि उनका नाम बैक डोर से जोड़ा गया गया है जबकि चुनाव आयोग का कहना है कि सात दिनों की प्रक्रिया के बाद उनका नाम जुड़ा है।

बोला चुनाव आयोग सब नियम के मुताबिक हुआ है

दिल्ली सीईओ कार्यालय के मुताबिक राघव चड्ढा ने 26 अगस्त को फार्म –6 के जरिए आवेदन किया और 2 सितंबर को आवेदन मंजूर हुआ। आयोग का कहना है कि ड्राफ्ट रोल प्रकाशित होने के बाद भी स्वीकृत नामों को अंतिम क्रमांक के बाद जोड़ा जा सकता है। ठीक है मान लिया लेकिन फिर सवाल खत्म कहां हुआ सवाल तो अब शुरू हुआ है अगर प्रक्रिया इतनी साफ है अगर सब कुछ नियम के मुताबिक है अगर सात दिन में आवेदन की जांच सत्यापन और मंजूरी पूरी करना बिल्कुल सामान्य है तो फिर आम आदमी के लिए भी यही व्यवस्था क्यों नहीं? क्यों नहीं चुनाव आयोग देश को बता देता कि राघव चड्ढा के आवेदन में कौन-कौन से दस्तावेज लगाए गए। किस स्तर पर सत्यापन हुआ कितने समय में हुआ किस अधिकारी ने जांच की और सबसे अहम क्या यही प्रक्रिया एसआईआर में अपना नाम खो चुके हर भारतीय के लिए भी उतनी ही तेजी से उपलब्ध है?

> सवाल उठेगा ही जिस चुनावी मशीनरी के सामने आम आदमी अपने वोट की जिंदगी बचाने के लिए सांस फुला रहा है उसी मशीनरी में राघव चड्ढा का नाम सात दिन में कैसे दौड़ गया।

सिर्फ सात दिन

अब जरा देश के उस नागरिक से पूछिए जिसका नाम एसआईआर में कट गया है कि भाई तुम्हारा नाम वापस जुड़ा वह कहेगा साहब अभी कोशिश कर रहे हैं कागज पूरे हैं पता नहीं कौन सा कागज चाहिए। बीएलओ कभी मिला कभी नहीं मिला पुराना रिकॉर्ड ढूंढ रहे हैं दावा दाखिल किया है अब पता नहीं कब सुनवाई होगी। तो फिर सवाल उठेगा ही जिस चुनावी मशीनरी के सामने आम आदमी अपने वोट की जिंदगी बचाने के लिए सांस फुला रहा है उसी मशीनरी में राघव चड्ढा का नाम सात दिन में कैसे दौड़ गया। और यहीं से कहानी में असली उछाल आता है। क्योंकि आम आदमी अकेला नहीं है जो एसआईआर की प्रक्रिया में उलझा है। देश के सबसे बड़े कारोबारी नामों में शामिल नंदन नीलेकणि और उनका परिवार भी कर्नाटक में उस सूची में दिखाई दिया जहां 2002 की पुरानी मतदाता सूची से नाम मैप नहीं हो पाया। उन्हें अनमैप्ट विद लास्ट एसआईआर श्रेणी में रखा गया है। सोचिए इंफोसिस के सह संस्थापक नंदन नीलेकणि देश की डिजिटल क्रांति के बड़े चेहरों में से एक उनका परिवार भी पुराने वोटर रिकॉर्ड की मैपिंग में अटक सकता है। तो फिर सवाल और बड़ा है जिस देश में नंदन नीलेकणि का नाम 2002 के रिकॉर्ड से नहीं मिल रहा वहां राघव चड्ढा के नाम के लिए सात दिन की रफ्तार आखिर किस लोकतांत्रिक एक्सप्रेस से आई?

आम आदमी पार्टी ने उठाया गंभीर प्रश्न

आम आदमी पार्टी का आरोप है कि राघव चड्ढा का नाम बैक डोर से जोड़ा गया। पार्टी ने उनके फार्म-6 को सार्वजनिक करने की मांग की है और सवाल उठाया है कि 31 अगस्त को ड्राफ्ट रोल प्रकाशित होने के बाद उनका नाम किस प्रक्रिया के तहत शामिल हुआ। आप ने आरोप लगाया कि चड्ढा का नाम बिना उचित प्रक्रिया के जोड़ा गया। पार्टी ने चुनाव आयोग से सवाल किया कि जब एसआईआर की प्रक्रिया चल रही है और ड्राफ्ट रोल प्रकाशित हो चुका है तब इतनी जल्दी नाम जोड़ने की प्रक्रिया कैसे पूरी हुई। यही वह सवाल है जिस पर चुनाव आयोग को सबसे स्पष्ट जवाब देना चाहिए। क्योंकि दूसरी तरफ देश के नागरिक एसआईआर को लेकर अलग-अलग तरह की परेशानियों से गुजर रहे हैं। दिल्ली में ही दावे और आपत्तियों की संख्या तेजी से बढ़ी है। कुछ ही दिनों में लाखों दावे और आपत्तियां दाखिल होने की खबर सामने आई है। राघव चड्ढा का मामला व्यवस्था की कसौटी बन चुका है। राघव चड्ढा अब बीजेपी के राज्यसभा सांसद हैं उन्होंने अप्रैल 2026 में आप छोड़कर बीजेपी का दामन थामा था। उनका राजनीतिक सफर पंजाब में नाम हटना और फिर दिल्ली में नाम जुड़ना इन तीनों घटनाओं को एक साथ रखकर देखा जाए तो राजनीतिक सवाल स्वाभाविक है।

क्या एक सांसद और बड़े राजनीतिक चेहरे के मामले में व्यवस्था ज्यादा संवेदनशील है?

अगर जवाब नहीं में आता है तो फिर चुनाव आयोग को यही पारदर्शिता आम नागरिक के लिए भी दिखानी होगी। अगर राघव चड्ढा का आवेदन 26 अगस्त को आया और 2 सितंबर को मंजूर हो गया तो आयोग को यह बताने में कोई हिचक नहीं होनी चाहिए कि आवेदन किस स्तर पर जांचा गया किन दस्तावेजों के आधार पर मंजूरी दी गई और प्रक्रिया में कौन कौन से चरण पूरे किए गए। क्योंकि इससे राघव चड्ढा पर आरोप साबित नहीं होगा बल्कि उल्टा उनकी स्थिति साफ होगी। यही लोकतांत्रिक तरीका है। चुनाव आयोग देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण संस्थान है। इसलिए उससे सवाल पूछे जाने पर सवाल पूछने वालों को लोकतंत्र-विरोधी बताना भी उचित नहीं होगा। उलटे जितना बड़ा संस्थान होगा उतनी ही ज्यादा पारदर्शिता की अपेक्षा होगी।

भाजपा बेईमान लोगों का गिरोह: अखिलेश यादव

» सपा प्रमुख ने कार्यकर्ताओं को भाजपा से सावधान रहने को कहा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का भाजपा पर तीखा हमला जारी है। सपा प्रमुख ने भाजपा को लोकतंत्र का दुश्मन और बेईमान लोगों का गिरोह बताया। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को भाजपा से सावधान रहने का निर्देश दिया। भाजपा लोकतांत्रिक व्यवस्था को तहस-नहस करने पर उतारू है। भाजपा नफरत फैलाने को अपनी सफलता मानती है।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने लोक नायक जयप्रकाश नारायण को धोखा दिया है। समाजवादी सरकार में बनी सिग्नेचर बिल्डिंग और जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेन्टर को बेच दिया गया। उन्होंने भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी चरम पर होने का आरोप लगाया। भाजपा ने प्लासियो मॉल, किसान बाजार और कन्नौज का काऊ मिल्क प्लांट जैसी कई सरकारी चीजें बेच दीं। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा किसान, नौजवान, मजदूर विरोधी है। उसने हर वर्ग को ठगा है और महंगाई बढ़ाकर जनता की जेब काट ली है। पेट्रोल में इथेनॉल की मिलावट से गाड़ियों के इंजन खराब हुए हैं। समाजवादी पार्टी सरकार में किसानों के लिए फैसले किए जाएंगे। 24 घंटे में गन्ना किसानों को गन्ने का भुगतान होगा और समय पर खाद-बीज, पानी मिलेगा।

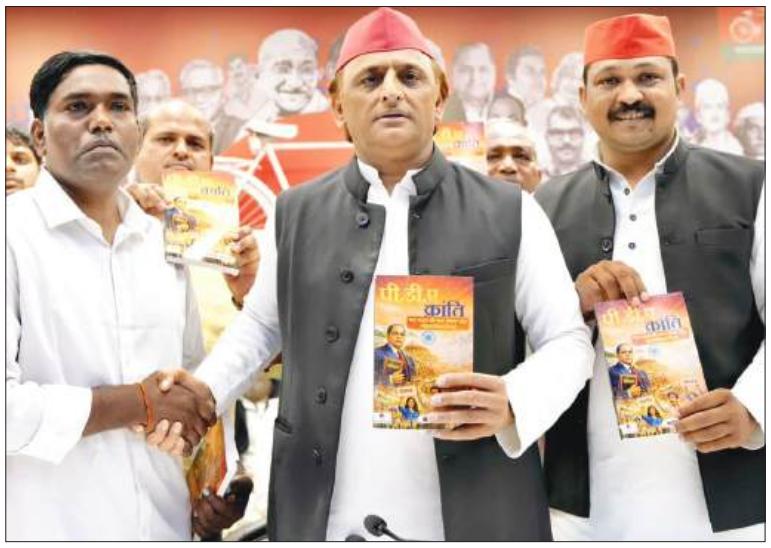

बुलंदशहर की सपा रैली रद्द होने पर रालोद ने घेरा

समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के 'चवन्नी' वाले बयान को लेकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। सपा के साथ चल रही जुबानी जंग के बीच अब राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) ने अखिलेश यादव के प्रस्तावित बुलंदशहर दौरे के रद्द होने पर निशाना साधा है। रालोद प्रवक्ता रोहित अग्रवाल ने दावा किया कि पश्चिम यूपी में 36 बिरादरी के विरोध के चलते सपा को पहले सहारनपुर और अब बुलंदशहर की रैली रद्द करनी पड़ी। दरअसल अखिलेश यादव का 11 सितंबर को बुलंदशहर दौरा प्रस्तावित था, जिसे अब रद्द कर दिया गया है। इससे पहले उनका सहारनपुर दौरा भी रद्द हुआ था। इन दोनों घटनाओं को लेकर रालोद ने सपा पर हमला तेज कर दिया है। रोहित अग्रवाल ने वीडियो जारी कर कहा कि अब अखिलेश यादव को समझ में आ गया होगा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 'चौधरी' कौन है। उन्होंने आरोप लगाया कि अखिलेश यादव ने उस चौधरी परिवार का अपमान करने का प्रयास किया, जिसने उनके (अखिलेश के) परिवार को राजनीति की एबीसीडी सिखाने का काम किया। रालोद प्रवक्ता ने कहा कि समाज को बांटने की राजनीति दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि एसी कमरों में बैठकर बड़ी-बड़ी बातें करना आसान है, लेकिन चुनाव के समय जनता के बीच जाना पड़ता है. अग्रवाल ने दावा किया कि पश्चिमी यूपी का किसान लट्ठ लेकर अपने मान-सम्मान का हिसाब मांगने के लिए तैयार है।

दस साल की सरकार में भाजपा ने भ्रष्टाचार और बजट की लूट की

सपा अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा सरकार उत्तर प्रदेश में हुए विकास को बर्बाद करना चाहती है। दस साल की सरकार में भाजपा ने भ्रष्टाचार और बजट की लूट के सिवा कोई काम नहीं किया। अखिलेश यादव ने कार्यकर्ताओं से जनता के बीच रहने और व्यवहार में शिष्टाचार बनाए रखने को कहा। उन्होंने विश्वास जताया कि जनता समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने को तैयार है और 2027 में चुनाव जीतना ही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में बने हाईवे और एक्सप्रेस-वे में भारी भ्रष्टाचार हुआ। जल जीवन मिशन में पानी की टंकियां लगातार टूट रही हैं। ये टंकियां भाजपा के भ्रष्टाचार का भार सहन नहीं कर पा रही हैं। प्रदेश के हर विभाग में भ्रष्टाचार और लूट व्याप्त है। चिकित्सा-स्वास्थ्य व्यवस्था भी पूरी तरह चौपट हो चुकी है।

आकाश आनंद को मायावती ने बसपा से निकाला

» रिश्तेदारी और रीपोस्ट न करने पर जताई नाराजगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने एक बड़ा राजनीतिक कदम उठाते हुए अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी से पूरी तरह निष्कासित कर दिया है। 3 सितंबर, 26 को नेशनल कोऑर्डिनेटर के पद से हटाए जाने के ठीक एक हफ्ते बाद यह कार्रवाई की गई है। मायावती ने साफ शब्दों में कहा कि आकाश को पार्टी आंदोलन और अपने करियर की तुलना में अपने रिश्तेदारों से लगाव की ज्यादा चिंता है।

मायावती ने एक्स पर लिखा कि आकाश आनंद को अपने करियर और पार्टी के हितों की कम और अपने रिश्तों की ज़्यादा चिंता है। उन्होंने कहा कि आकाश ने बसपा प्रमुख के सोशल मीडिया अकाउंट की पोस्ट को रीपोस्ट नहीं किया। पार्टी ने आकाश आनंद और अशोक सिद्धार्थ को ज़मीन से उठाकर ऊँचे ओहदे तक पहुँचाया था। उन्होंने कहा कि आकाश आनंद को पार्टी से पूरी तरह मुक्त कर दिया गया है। उन्होंने कहा, आखिर में, यह कहना ज़रूरी है कि बसपा के सभी सदस्यों को पूरी लगन और तन-मन-धन से उस संघर्ष में जुटे रहना चाहिए जिससे यूपी में एक बार फिर सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय के तहत बेहतरीन कानून-व्यवस्था और ज़बरदस्त विकास वाला पूर्ण बहुमत का मज़बूत शासन स्थापित हो सके। इसके लिए विरोधियों की हर तरह की चालों-जैसे साम, दाम, दंड, भेद आदि—का डटकर सामना करना होगा। यही एकमात्र सर्वोच्च लक्ष्य है।

करियर की कम चिंता है, रिश्तों व नाते-रिश्तेदारों से लगाव की ज़्यादा चिंता : मायावती

मायावती ने आगे कहा कि अगर आकाश आनंद को पार्टी और आंदोलन के असली हितों और उससे जुड़े अपने करियर की कम चिंता है, और रिश्तों व नाते-रिश्तेदारों से लगाव की ज़्यादा चिंता है, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है, दोहरी सोच वाला आकाश आनंद बसपा पार्टी और आंदोलन का भला कैसे कर सकता है?उन्होंने कहा, इसलिए, पार्टी सदस्यों को यह बेहतर लगा कि जिस तरह उन्हें 3 सितंबर,26 को राष्ट्रीय समन्वयक (नेशनल कोऑर्डिनेटर) जैसे बेहद अहम पद की सभी ज़िम्मेदारियों से मुक्त किया गया था, उसी तरह अब उन्हें आज से पार्टी से पूरी तरह मुक्त (स्वतंत्र) कर दिया जाए। इस तरह, अगर श्री आकाश आनंद अब पार्टी में स्वतंत्र रहना चाहते हैं, तो वे स्वतंत्र हैं-यानी इस मामले में उन्हें पार्टी से पूरी तरह मुक्त कर दिया गया है।

अशोक सिद्धार्थ ने राजनीति से लिया संन्यास

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष मायावती के भतीजे आकाश आनंद के ससुर एवं राज्यसभा के पूर्व सदस्य अशोक सिद्धार्थ ने बृहस्पतिवार को राजनीति और सामाजिक जीवन से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया।

सिद्धार्थ ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि वह अभी इसी वक्त राजनीति और सामाजिक जीवन से संन्यास ले रहे हैं और संन्यास तो बहुत छोटी चीज है अगर उन्हें कभी मायावती के लिए अपनी जान भी देनी पड़े तो वह उनके लिए फख की बात होगी। दरअसल मायावती ने बुधवार को एक्स पर एक संदेश में सिद्धार्थ पर लगातार अनुशासनहीनता का आरोप लगाते हुए कहा था कि अगर वह राजनीति से संन्यास ले लें तभी उनके दामाद आकाश आनंद को पार्टी में दोबारा जिम्मेदारियां देने पर विचार किया जा सकता है। सिद्धार्थ ने अपनी पोस्ट में कहा कि मायावती का आदेश उनके लिए दुनिया की किसी भी चीज से बढ़कर है। उन्होंने कहा कि वह पिछले 35 साल से बसपा के प्रति समर्पित रहे हैं और जो भी जिम्मेदारी उन्हें दी गई उसे पूरी सामर्थ्य के साथ निभाने की उन्होंने कोशिश की है। सिद्धार्थ ने कहा कि मायावती के आदेश के आगे सारे रिश्ते नाते बेहद छोटे हैं।

राहुल गांधी के सवाल पर तिलमिलाए योगी के मंत्री

सांसद और मंत्री में नोकझोंक, जमकर चले तीखे शब्द बाण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायबरेली। यूपी के रायबरेली में कलेक्ट्रेट स्थित बचत भवन में दिशा की बैठक हुई। इसमें बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के बजट को लेकर सवाल-जवाब के दौरान सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। राहुल गांधी ने योजना पर तंज कसते हुए कहा कि इसका प्रचार बहुत है, लेकिन जमीन पर इसका असर दिखाई नहीं देता।

उन्होंने जिले को मिले बजट की जानकारी मांगी। अधिकारियों ने बताया कि योजना के तहत 30 लाख रुपये मिले हैं। इसमें 10 प्रतिशत राशि प्रचार पर खर्च होती है। इस पर राहुल ने सवाल उठाया। राहुल के सवालों के बीच प्रदेश के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह बोल पड़े कि यह आश्चर्य की बात है कि सांसद को केंद्रीय योजना के बारे में जानकारी नहीं है। इस पर अमेठी सांसद किशोरी लाल शर्मा ने आपत्ति जताते हुए कहा कि सांसद को किसी भी योजना के बारे में सवाल पूछने का अधिकार है। इसके बाद दोनों ओर से तीखे शब्द बाण चले। मामला बढ़ता देख राहुल गांधी ने हस्तक्षेप किया और दोनों को शांत कराया। उन्होंने मंत्री से कहा कि उनसे समझने में भूल हुई है। इसके बाद दिशा की बैठक की कार्यवाही आगे बढ़ी।

सपा विधायकों का हंगामा सरकार के खिलाफ नारेबाजी

उधर, दिशा की बैठक शुरू होने से पहले सपा विधायकों ने पोस्टर-बैनर लहराकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। बछरावां विधायक श्याम सुंदर भारती और हरचंदपुर विधायक राहुल लोधी की पुलिस से नोकझोंक भी हुई। मामला बढ़ता देख एएसपी आलोक सिंह ने पोस्टर-बैनर लेकर विधायकों से उन्हें छीन लिया। सपा विधायकों ने कहा कि जब समस्याएं जस की तस हैं तो दिशा बैठक का क्या औचित्य है। बछरावां विधायक ने कहा कि गुंडे-माफियाओं को सत्ता का संरक्षण है।

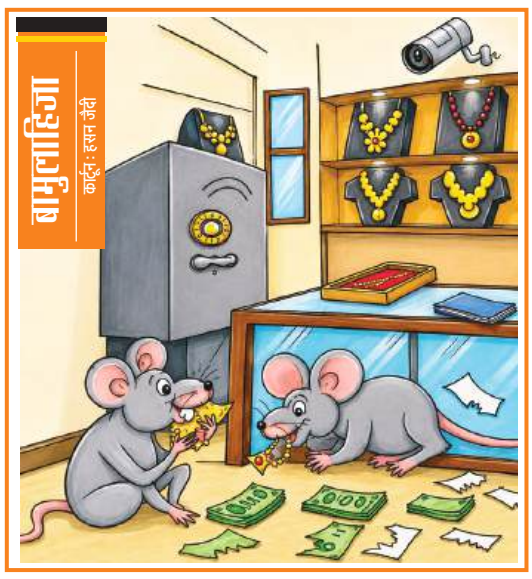

बिहार की बाढ़ को राष्ट्रीय आपदा घोषित किया जाए: तेजस्वी

» राजद नेता ने पीएम मोदी को लिखी चिट्ठी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना । बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर राज्य में बाढ़ की स्थिति को लेकर सात मांगें रखी हैं। उन्होंने बिहार की बाढ़ को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने, पांच हजार करोड़ रुपये का विशेष राहत पैकेज देने, सेना और वायुसेना के हेलीकॉप्टरों की मदद उपलब्ध कराने समेत कई मांगें की हैं।

राष्ट्रीय जनता दल के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और बिहार विधानसभा में नेता विरोधी दल तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर बिहार के संदर्भ में सात मांगें रखी हैं। यह पत्र बिहार में बाढ़ की स्थिति को लेकर लिखा गया है। तेजस्वी ने पत्र में बिहार के 20 जिलों के बाढ़ की चपेट में होने का दावा करते हुए केंद्र सरकार से तत्काल राहत और सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है। तेजस्वी यादव ने पत्र में लिखा कि बिहार इस समय भीषण बाढ़ की त्रासदी से गुजर रहा है। उनके अनुसार, राज्य के 20 जिले बाढ़ जनित आपदा की चपेट में हैं और लाखों लोग संकट में हैं। नदियों के बढ़ते जलस्तर के कारण सार्वजनिक ढांचे को भारी नुकसान हुआ है तथा हजारों करोड़ रुपये की जान-माल की क्षति हुई है। उन्होंने कहा कि बड़ी आबादी भोजन, स्वच्छ पेयजल, दवा, बिजली, पशुचारा और सुरक्षित आवागमन जैसी बुनियादी सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रही है।

नाकाफी है राहत व्यवस्था

तेजस्वी ने आरोप लगाया कि बिहार सरकार की ओर से उपलब्ध कराई जा रही बाढ़ राहत एवं बचाव व्यवस्था बेहद अपर्याप्त है। उन्होंने बिहार सरकार और बिहार से निर्वाचित एनडीए के केंद्रीय मंत्रियों व सांसदों पर भी निशाना साधा। तेजस्वी ने कहा कि वे केंद्र सरकार से बाढ़ को राष्ट्रीय आपदा घोषित कराने और विशेष राहत-सहायता राशि दिलाने की मांग मजबूती से नहीं उठा पा रहे हैं।

राजस्थान से लेकर बिहार तक एनडीए पर प्रहार

कांग्रेस नेता सचिन व राजद नेता तेजस्वी ने भाजपा को घेरा

» पायलट बोले- ढाई साल में जनता ऊबी, निकाय चुनाव में कांग्रेस का बोर्ड तय!

» तेजस्वी ने कहा- केंद्र में 12 वर्षों और बिहार में 20 वर्षों से सत्ता में रही राजग सरकारें बाढ़ का समाधाना नहीं ढूंढ पाए

» एफसीआरए बिल के लिए समिति का गठन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुटबाजी के सवाल पर भाजपा को घेरा

सचिन पायलट ने कहा कि वह सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए धोरीमन्ना जा रहे हैं। वीरेंद्र धाम छात्रावास को लेकर उन्होंने कहा कि हेमाराम चौधरी और उनकी बेटी सुनीता चौधरी अच्छा काम कर रहे हैं। कांग्रेस में गुटबाजी के सवाल पर पायलट ने भाजपा पर पलटवार करते हुए कहा कि गुटबाजी भाजपा में है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के प्रत्याशी दो-दो सिंबल लेकर आ रहे हैं।

जयपुर। आजकल में राजस्थान में नगर निकाय चुनाव की वजह से माहौल गरमाया है। कांग्रेस व भाजपा तो सक्रिय है ही साथ छोटी पार्टियों ने भी कमर कसना शुरू कर दी है। एआईएमआईएम जहां आएलपी के साथ गलबहिया कर रही हैं वहीं अन्य दन भी तैयारी में जुटे हैं। इस बीच पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट का भाजपा पर पलटवार जारी है। उधर एफसीआरए बिल के लिए संसदीय समिति बना दी गई है। वंही बिहार में तेजस्वी का सीएम सम्राट चौधरी पर वार जारी है।

कांग्रेस के एक कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। दौरे के दौरान उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नगर निकाय चुनाव में पार्टी के प्रत्याशियों से मुलाकात की और भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। पायलट ने दावा किया कि प्रदेश की जनता भाजपा सरकार के ढाई साल के कार्यकाल से ऊब चुकी है और आने वाले निकाय चुनाव में कांग्रेस को समर्थन देने का मन बना चुकी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एकजुट होकर चुनाव लड़ेगी और तमाम निकायों में पार्टी के बोर्ड बनाएगी। बाड़मेर पहुंचने के बाद सचिन पायलट सबसे पहले जिला मुख्यालय स्थित वीरेंद्र धाम छात्रावास पहुंचे। यहां उन्होंने पूर्व मंत्री हेमाराम चौधरी के दिवंगत बेटे वीरेंद्र चौधरी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद पायलट ने छात्रावास में रह रहे विद्यार्थियों से संवाद किया। इस दौरान उन्होंने हेमाराम चौधरी की बेटी सुनीता चौधरी से राखी भी बंधवाई। इसके बाद सचिन पायलट कांग्रेस कमेटी के कार्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ नगर निकाय चुनाव में पार्टी के प्रत्याशियों से मुलाकात की और चुनावी तैयारियों को लेकर चर्चा की।

राजस्थान की जनता भाजपा सरकार के ढाई साल के कार्यकाल से ऊब चुकी हैं : पायलट

कांग्रेस कार्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सचिन पायलट ने भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के ढाई साल के कार्यकाल से पूरे प्रदेश की जनता ऊब चुकी है और बदलाव चाहती है। पायलट ने कहा कि भाजपा में कितना भी अहंकार हो, कांग्रेस कार्यकर्ता एकता और पूरी ताकत के साथ चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जनता की उम्मीदों पर खरा उतरने का प्रयास करेगी। पायलट ने कार्यकर्ताओं से चुनाव में एकजुट होकर पार्टी के पक्ष में मजबूती से काम करने का आह्वान किया।

समय सीमा के बाद भी दाखिल किए जा रहे सिंबल

सचिन पायलट ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार चुनाव में अपनी पूरी ताकत लगा रही है। उन्होंने कहा कि अलवर, जोधपुर समेत कई जगहों पर समय सीमा खत्म होने के बाद भी भाजपा प्रत्याशियों द्वारा सिंबल दाखिल किए जा रहे हैं। पायलट ने कहा कि यह सब कैमरे पर रिकॉर्ड हुआ है। उन्होंने कहा कि जनता भाजपा सरकार के ढाई साल के कार्यकाल की समीक्षा कर रही है और कांग्रेस को सत्ता में लाने के लिए तैयार है। पायलट ने दावा किया कि कांग्रेस तमाम नगर निकायों में बोर्ड बनाएगी और बाड़मेर में भी पार्टी बहुमत के साथ जीत दर्ज करेगी।

दिव्या मदेरणा के धरने का किया समर्थन

सचिन पायलट ने पूर्व विधायक दिव्या मदेरणा की ओर से मथानिया निर्वाचन कार्यालय के बाहर दिए जा रहे धरने को भी सही ठहराया। उन्होंने कहा कि इस मामले में जयपुर और दिल्ली में बैठे अधिकारियों को जल्द कार्रवाई करनी चाहिए। पायलट ने अधिकारियों से मामले को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र समाधान की दिशा में कदम उठाने की बात कही।

एफसीआरए बिल पर अब चर्चा करेगी संसदीय समिति

» विदेशी चंदे वाले बिल की जांच के लिए बनी समिति

» 31 सदस्यों में से 19 एनडीए के

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लोकसभा के 21 राज्यसभा के 10

बता दें कि इस समिति का गठन रुका हुआ था। इसका सबसे बड़ा कारण था पार्टियों ने नामांकन भेजने में लगाया गया समय। इस समिति में लोकसभा से 21 और राज्यसभा से 10 सदस्य हैं। इसे संसद के शीतकालीन सत्र के पहले सप्ताह के आखिरी दिन तक अपनी रिपोर्ट जमा करने के लिए कहा गया। हालांकि, अलग-अलग हितधारकों के साथ परामर्श में संलग्न होने की अनुमति देने के लिए समिति का कार्यकाल अक्सर बढ़ाया जाता है।

नई दिल्ली। विदेश से आने वाले चंदे से संबंधित विदेशी योगदान (विनियमन) संशोधन विधेयक की जांच 31 सदस्यों वाली संसदीय समिति बनाई गई है। तीन सप्ताह पहले इसे संसदीय समिति के पास भेजने का फैसला लिया गया था, जिसके बाद गुरुवार को स्पीकर ओम बिरला ने समिति के 31 सदस्यों के नामों का ऐलान किया। अनुभवी बीजेपी सांसद संजय जायसवाल को इसका अध्यक्ष बनाया गया है।

बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए की संख्या बल के हिसाब से इस कमेटी में 19 सांसद होंगे। वहीं, विपक्ष खासकर कांग्रेस ने अल्पसंख्यक समुदायों के सदस्यों को प्रतिनिधि के तौर पर शामिल करने का समर्थन किया है। कांग्रेस समेत विपक्षी दलों ने इस बिल की आलोचना की है और ईसाई संगठनों की चिंताओं का समर्थन किया है। विपक्ष का आरोप है कि इसके प्रावधानों से हलह पर बुरा असर पड़ेगा। सरकार ने इस बात को तो खारिज कर दिया, लेकिन आम सहमति बनाने के लिए इस ड्राफ्ट कानून को और ज्यादा जांच-पड़ताल के लिए कमेटी के पास भेजने पर सहमति जताई गई है।

बिहार में बाढ़ संकट पर राजद ने एनडीए सरकार को घेरा

राजद नेता तेजस्वी यादव ने केंद्र और राज्य सरकार पर बिहार में हर साल आने वाली बाढ़ का स्थायी समाधान निकालने में नाकाम रहने का आरोप लगाया है। उन्होंने जन-धन की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की तेजस्वी ने कहा, ''केंद्र में 12 वर्षों और बिहार में 20 वर्षों से सत्ता में रही भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकारें बाढ़ जैसी समस्या और उससे होने वाली तबाही का स्थायी समाधान नहीं खोज सकीं।'' उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि जन-धन और पशुधन की हानि रोकने के लिए जमीनी स्तर पर विशेष ध्यान दिया जाए, क्योंकि ''आगे और बड़ा खतरा मंडरा सकता है।'' बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी ने कहा कि वह शुक्रवार को अपने विधानसभा क्षेत्र राघोपुर के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर स्थिति का जायजा लेंगे। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) की शनिवार से प्रस्तावित 'नीतीश संवाद यात्रा' पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में तेजस्वी ने आरोप लगाया कि जदयू के कई नेता, जिनमें उसके राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष भी शामिल हैं, भाजपा के इशारे पर अपनी ही पार्टी को कमजोर करने में लगे हैं। उन्होंने दावा किया, ''मुख्यमंत्री पद से हटाने के बाद नीतीश को राज्यसभा भेज दिया गया। जदयू को खत्म कर दिया गया है। संजय कुमार झा जैसे नेता वास्तव में भाजपा के व्यक्ति हैं और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा गृह मंत्री अमित शाह की चापलूसी में लगे हैं। अंततः वे भाजपा में ही लौट जाएंगे।'' तेजस्वी ने देश की मौजूदा आर्थिक स्थिति को लेकर भी केंद्र सरकार की आलोचना की और प्रधानमंत्री मोदी से रील बनाने के बजाय जमीनी हकीकत पर ध्यान देने की अपील की। राजद नेता ने कहा, मोदी जी रील बनाते हैं, लेकिन हकीकत नहीं देखते। प्रति व्यक्ति आय के मामले में भूटान और श्रीलंका जैसे छोटे देश भारत से आगे निकल गए हैं। नएस्थान तलाशें रोजाना 26 स्कूल बंद हो रहे हैं, महंगाई चरम पर है, बेरोजगारी व्यापक है और सरकार भारतीय रिजर्व बैंक से भारी कर्ज ले रही है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

शिक्षक ही संवारता है छात्र का जीवन

अभी पूरे देश में 5 को शिक्षक दिवस मनाया गया। शिक्षक नियति-निर्माता होते हैं। करोड़ों विद्यार्थियों के जीवन में विद्या, कौशल, नैतिकता और प्रेरणा का संचार करने वाले शिक्षकों के प्रति सभी देशवासियों की ओर से, शिक्षक दिवस के अवसर पर, मैं कृतज्ञता व्यक्त करती हूं। यह सर्वविदित है कि हमारे देश के द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन चाहते थे कि उनका जन्मदिन शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाए। वे विश्वविख्यात विद्वान, लेखक और स्टेट्समैन थे, लेकिन शिक्षक की भूमिका को उन्होंने सबसे महत्वपूर्ण माना। अत्यंत लोकप्रिय पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम से एक बार पूछा गया कि उन्हें लोग एक वैज्ञानिक के रूप में याद करेंगे या राष्ट्रपति के रूप में। कलाम साहब ने उत्तर दिया कि वे चाहेंगे कि उन्हें एक शिक्षक के रूप में याद किया जाए।शिक्षक श्रद्धेय हों और विद्यार्थी श्रद्धालु हों, यही हमारा आदर्श रहा है। हमारे प्राचीन ग्रन्थों में कहा गया है कि शिक्षक विद्यार्थियों से अपनी संतान की तरह प्यार करें, उनसे भेदभाव रहित समानता का व्यवहार करें, उन पर क्रोध न करें, धैर्यवान हों, विद्यार्थियों के कल्याण पर दृष्टि केंद्रित रखें एवं उनकी ग्रहणशक्ति के अनुसार शिक्षा प्रदान करें।

ऐसे शिक्षकों के प्रति सम्मान के भाव से ही लगभग तीन हजार वर्ष पहले, तैत्तिरीय उपनिषद की शिक्षावल्ली में आचार्यदेवो भव का संदेश दिया गया है। सौभाग्य से अपने विद्यार्थी जीवन में मुझे बहुत अच्छे और स्नेही शिक्षकों का मार्गदर्शन मिलता रहा। हमारी टीचर्स, स्कूल की छुट्टी के बाद भी, कभी-कभी अपने घर में ही हमें पढ़ाती थीं और हमारी देखभाल भी करती थीं। सातवीं कक्षा के बाद, अपने गांव से बाहर जाकर पढ़ाई करने वाली मैं पहली छात्रा थी। आगे की पढ़ाई के दौरान भुवनेश्वर में भी मुझे शिक्षकों का भरपूर स्नेह और मार्गदर्शन मिलता रहा। अपने शिक्षकों का विनम्रतापूर्वक उल्लेख मैंने यह बताने के लिए किया है कि स्नेही और समर्पित शिक्षक विद्यार्थियों में असीम क्षमता और प्रेरणा का संचार करते हैं। इससे शक्ति पाकर विद्यार्थियों में किसी भी चुनौती का सामना करने का साहस और बड़े से बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने का उत्साह बना रहता है। मैं मानती हूं कि शिक्षक पाठ्यक्रम तो पढ़ाते ही हैं, अपनी गतिविधियों से, विद्यार्थियों को जीने की कला भी सिखाते हैं।इस प्रकार शिक्षक अपने विद्यार्थियों के मार्गदर्शक तो होते ही हैं, उनके शुभचिंतक, मित्र और सहयात्री भी होते हैं। श्रेष्ठ शिक्षक की विशेषता के बारे में हमारी संस्कृति एवं परंपरा में प्राचीन काल से चले आ रहे विचार आज भी पूर्णत: प्रासंगिक हैं।

> “ हमारे प्राचीन ग्रन्थों में कहा गया है कि शिक्षक विद्यार्थियों से अपनी संतान की तरह प्यार करें, उनसे भेदभाव रहित समानता का व्यवहार करें, उन पर क्रोध न करें, धैर्यवान हों, विद्यार्थियों के कल्याण पर दृष्टि केंद्रित रखें एवं उनकी ग्रहणशक्ति के अनुसार शिक्षा प्रदान करें।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

चीन के प्राथमिक लक्ष्य भारत पर केंद्रित न होने की वजहें

रियर एडमिरल राजा मेनन सेवानिवृत्त

चीन का उद्भव बिना तैयारी के नहीं हुआ है; यह एक सुसंगत बृहद रणनीति परिलक्षित करता है जिसका उद्देश्य समय के साथ संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रभुत्व को कम करना है। वह रणनीति भौगोलिक रूप से चरणों में बंटी हुई है — पहले यूरेशिया और उन समुद्री मार्गों पर ध्यान केंद्रित करना जो चीन की अर्थव्यवस्था को कायम रखते हैं, न कि सीमावर्ती ज़मीनी युद्धों पर। इसके आलोक में देखें तो भारत के साथ हिमालयी सीमा एक गौण मुद्दा है। वहां पर बड़े पैमाने का युद्ध चीन को अपने मूल उद्देश्यों में आगे बढ़ने में बहुत कम मददगार रहेगा, और असल में, नुकसानदेह हो सकता है। चीन के आधिकारिक दस्तावेज़ प्राथमिकता के क्रम का उतना ही खुलासा करते हैं जितना छिपाकर जता जाते हैं।

'नए दौर में चीन की राष्ट्रीय रक्षा' (2019) या 'सैन्य रणनीति दिशानिर्देश, राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (2015)', और एक के बाद एक आई पार्टी संसदीय रिपोर्टें सुरक्षा को शासन के अस्तित्व, तकनीकी स्वायत्तता और महा-शक्ति प्रतिस्पर्धा जैसे शब्दों में परिभाषित करती हैं। रणनीतिक दिशा स्पष्ट है = समुद्री आवाजाही मार्गों में बनने वाले जोखिम, ऊर्जा और व्यापार के पहुंच मार्गों की सुनिश्चितता और पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी हस्तक्षेप को रोकने की क्षमता बनाना। भारत का नाम खतरे के तौर पर नहीं लिया गया है। यह कोई अनदेखी नहीं; प्राथमिकताओं का निर्धारण है। चीन की समृद्धि समुद्री व्यापार पर निर्भर करती है जो असुरक्षित 'चोकपॉइंट्स' (संकरे समुद्री रास्तों) से होकर गुजरता है-ये मलक्का जलडमरूमध्य से लेकर बृहद हिंद-प्रशांत क्षेत्र, होर्मुज़ जलडमरूमध्य और स्वेज नहर तक हैं। इसलिए, इसके सैन्य आधुनिकीकरण का ध्यान नौसैन्य शक्ति सुदृढ़ता, बाधित पहुंच/प्रतिबंधित क्षेत्र स्थिति का उपाय और अंतरिक्ष, साइबर एवं इलेक्ट्रोमैग्नेटिक स्पेक्ट्रम में क्षमताओं पर केंद्रित है। इसके समांतर, सरकारी आर्थिक कूटनीति का उद्देश्य निर्यात में प्रभुत्व, बुनियादी ढांचा निर्माण, सपंर्क सुविधाएं और वित्तीय निवेश के माध्यम से यूरेशिया को नया रूप देना है।

आज जहां लंदन की सड़कों पर दौड़ती एक लोकप्रिय कार लैंड रोवर का सस्ता चीनी संस्करण मौजूद है वहीं जर्मनी की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी फॉक्सवैगन हजारों कर्मचारियों की छंटनी करने की योजना बना रही है। बढ़ती लागत के मद्देनजर, सीमेंस जैसी बहुराष्ट्रीय कंपनियां उत्पादन को चीन स्थानांतरित करने पर विचार कर रही हैं, जिससे उनके वित्तीय लाभ में

तो सुधार हो जाएगा, लेकिन समाज को नुकसान पहुंचेगा। यह सब यूरेशिया में समुद्र नीत और पश्चिम नीत रणनीति की ओर इशारा करता है, न कि दक्षिण-नीत हिमालय में। उतना ही महत्वपूर्ण यह भी है कि बीजिंग किस चीज से बचना चाहता है दो मोर्चों पर रणनीतिक दुविधा। उसकी मुख्य प्रतिस्पर्धा समुद्री क्षेत्र में अमेरिका के साथ है। भारत के साथ कोई बड़ा उपमहाद्वीपीय युद्ध शुरू करने से संसाधन और ध्यान बंट जाएंगे, बाहरी दखल बढ़ेगा और भारत को अमेरिका के और करीब आने का खतरा पैदा होगा- इससे वही गठबंधन विशेष मजबूत होगा, जिसे चीन कमजोर करना चाहता है। भारत के मामले में चीन की सैद्धांतिक चुप्पी का कारण डर नहीं, बल्कि समझदारी का हिस्सा है। इसलिए, भारत को साधने के लिए चीन की नीति अपरोक्ष और किफायती तरीका अपनाती है। दशकों से, उसने व्यवस्थित रूप से पाकिस्तान की सैन्य क्षमता को मजबूत किया -जिसमें पारंपरिक युद्धक तंत्र,मिसाइल फोर्स, परमाणु क्षमता और उपग्रह प्रदत्त सुविधाओं तक पहुंच जैसी सहायक तकनीकें शामिल हैं। इसका मकसद यह यकीनी बनाना है कि भारत अपने सुरक्षा संबंधी गुणा-भाग का दायरा दक्षिण एशिया तक ही रखे और यह सुनिश्चित करना कि भारत का ध्यान लगातार अपनी पश्चिमी सीमा पर बना रहे। इससे समुद्री क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने में भारत की क्षमता सीमित हो जाती है, जहां भूगोल उसे हिंद महासागर के अहम समुद्री मार्गों पर एक अपरोक्ष फायदा देता है-एक ऐसा लाभ जो, चरम स्थिति में, चीन की ऊर्जा जीवनरेखा और समृद्धि के लिए खतरा बन सकता है।

1962 का युद्ध पूर्व उदाहरण पेश करता है। चीन ने सीमित राजनीतिक लक्ष्य हासिल किए और फिर एकतरफा तौर पर पीछे हट गया। सार्वजनिक किए गए सरकारी दस्तावेज बताते हैं कि युद्ध से छह महीने पहले माओ ने अपने सेना कमांडर को बुलाकर चार शब्दीय निर्देश दिया था: 'भारत को सबक सिखाओ'। सबक क्या था? माना जाता है, 'कन्फ्यूशियस संहिता' के अनुसार भारत को उसकी 'जगह दिखाना', न कि इलाके पर कब्जा। आज, लद्दाख जैसे इलाकों में, चीन पहले से ही उस जमीन पर नियंत्रण रखे हुए है, जिसे वह रणनीतिक रूप से अहम मानता है।

पेशेवर जरूरतों के अनुरूप हों शिक्षक की जिम्मेदारियां

शिक्षा की गुणवत्ता देश व समाज की उन्नति का आधार है। यह तभी हो पाएगा जब गुरु का दर्जा प्राप्त अध्यापकों को शिक्षण-कार्य करने के लिए सही वातावरण, समय व सुविधाएं मिलें। गैर-शैक्षणिक कार्यों से निजात मिले। ऐसे में अध्यापक बच्चों को समुचित मार्गदर्शन व परामर्श प्रदान कर सकेंगे और पेशेवराना ढंग से शिक्षण में नवाचारों पर ध्यान केन्द्रित कर सकेंगे।

अरुण कुमार कहारबा

नयी पीढ़ी को शिक्षा व मार्गदर्शन देकर राष्ट्र-निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला शिक्षक आज व्यवस्था का मोहरा बनकर रह गया है। उसे ऐसे कार्य सौंपे जा रहे हैं, जो उसके मूल दायित्वों और भूमिका से मेल नहीं खाते हैं। एक तरफ जहां बदलते सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश में अध्यापक की भूमिका लगातार अधिक चुनौतीपूर्ण होती गई, दूसरी ओर अध्यापन संबंधी कार्यों से हटाकर उसे गैर-शैक्षणिक कार्यों में लगा दिया गया। इससे शिक्षक की छवि को जो नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई कर पाना संभव नहीं। भारतीय समाज में अध्यापक को गुरु का दर्जा दिया जाता है। लेकिन आज की वास्तविक परिस्थितियों के साथ यह सम्मान मेल नहीं खाता है। धरातल पर आकलन किया जाए तो अध्यापक का दायित्व केवल कोर्स पूरा करवाना नहीं है।

वह बच्चों को परीक्षा की वैतरणी पार करवाने वाला एजेंट मात्र भी नहीं है। दरअसल, अपने विषय और उसकी विषय-वस्तु के जानकार से आगे बढ़कर वह बालमन के हर पहलू का विशेषज्ञ होता है। बच्चों के मन-मस्तिष्क में उठने वाली उथल-पुथल को समझने के लिए अपनी पेशेगत दक्षताओं का प्रयोग करता है। बच्चों के ज्ञानात्मक विकास के साथ-साथ भावनात्मक, नैतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक व शारीरिक विकास के लिए मार्ग प्रशस्त करता है। वह अपनी भूमिका पर खरा उतरे ऐसा वातावरण तैयार करने में सरकारी व्यवस्था का अहम रोल है। यानी इसमें सरकारी नीतियों, शिक्षा विभाग, स्कूल प्रबंधन और सुविधाओं की अहम भूमिका होती है। सरकारी स्कूलों की बात करें तो भले ही अध्यापकों की भूमिका विद्यार्थियों में पढ़ाने की गतिविधियां संचालित करने वाले दक्षतम व्यक्ति की हो लेकिन इससे कहीं ज्यादा उसे शिक्षा के अलावा कई कार्यों को पूरा करवाने वाले सहज उपलब्ध पेशेवर की तरह देखा जा रहा है।

मसलन, विभिन्न विभागों के सर्वेक्षण, वोट बनवाने, एसआईआर, जनगणना कार्यों, ऑनलाइन पोर्टलों पर विद्यार्थियों का डाटा अपलोड करने और विभिन्न सरकारी योजनाओं के लिए दस्तावेज तैयार करने और सत्यापन आदि कार्यों के लिए अध्यापकों को ही लगाया जाता है। वहीं स्कूल में मिड-डे-मील योजना के लिए सिलेंडर, सब्जियां व अन्य सामग्री खरीदने के साथ-साथ सप्लाई किए गए सामान का रखरखाव, उसके उपयोग का हिसाब-किताब रखना और विभिन्न प्रकार के रजिस्टर तैयार करना अध्यापकों की जिम्मेदारी है। अध्यापक ही हरेक बच्चे के विभिन्न मदों व फंडों के अनुसार शुल्क प्राप्त करते हैं और उन्हें जमा करवाते हैं। गैर-शैक्षणिक कार्यों में अध्यापकों की ऊर्जा को लगाने के लिए हमारी सरकारी व्यवस्था ही जिम्मेदार है। इससे अध्यापक की पेशेवर दक्षताओं का तो ह्रास हो ही रहा है, साथ ही उसे विभिन्न प्रकार के तनावों से गुजरना पड़ रहा है। मसलन,एसआईआर की प्रक्रिया में लगे अध्यापकों को कई तरह के मानसिक तनावों से गुजरने की बातें सामने आयीं।

जाहिर है, बच्चों की शिक्षा पर भी इसका प्रभाव पड़ा होगा। हालांकि इस पर विस्तृत अध्ययन की जरूरत है। दरअसल, अध्यापक को जब उसके असल काम से हटाकर दूसरे कामों में लगा दिया जाता है, तो यह एक तरह से किसी अन्याय से कम नहीं है। बहुत से अध्यापकों का इस तरह के अहसास से गुजरना आम बात है। हमारी व्यवस्था अनेकानेक गैर-शैक्षणिक कार्यों के बोझ में दबाकर अध्यापकों से उनके अहसास को भी छीनने में लगी हुई है। अतिथि अध्यापक, अनुबंध अध्यापक, एचकेआरएन के तहत लगे अध्यापकों और एनएसक्यूएफ के अध्यापकों के वेतन व सुविधाओं में जमीन-आसमान का अंतर है। हमारे नीति-नियंता अध्यापकों को गुरु जी कहते हुए तो मिल जाते हैं, लेकिन उन्हें उचित सम्मान प्रदान करने के मामले में उनके वास्तविक प्रयास दिखाई नहीं देते हैं। लेकिन उन्हीं गुरुजनों को पुरानी पेंशन से वंचित कर दिया है। जब भी अध्यापक इसकी मांग करते हैं तो कार्पोरेट घरानों के करोड़ों-अरबों रुपये के ऋण माफ करने वाली सरकारें इसे बोझ बताती हैं।

विभिन्न सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों वाले परिवेश में रहने वाले बच्चे आज अनेक प्रकार की समस्याओं से जूझ रहे हैं। अध्यापक बच्चों पर पूरा ध्यान दे पाएं, उन्हें समुचित मार्गदर्शन व परामर्श प्रदान कर सकें और पेशेवराना ढंग से शिक्षण में नवाचारों पर केन्द्रित हो सकें, इसके लिए उन्हें काम करने का माहौल प्रदान करना बहुत जरूरी है। गुरुजनों का सम्मान तभी सुनिश्चित होगा, जब उन्हें फिजूल के कार्यों से मुक्ति मिलेगी और अध्यापक के रूप में काम करने का अवसर मिलेगा। जरूरी है कि चुनावी कार्यों और मिड-डे-मील आदि के लिए के लिए अलग से कर्मचारी नियुक्त किए जाएं। इससे रोजगार का सृजन होगा और अध्यापक अपने मूल काम पर फोकस कर सकेंगे। शिक्षा की गुणवत्ता हमारे देश व समाज की उन्नति का आधार है। यह तभी हो पाएगा जब अध्यापकों को शिक्षण का कार्य करने दिया जाएगा।

पार्टी के लिए बनाएं ये 7 टेस्टी स्टार्टर्स

अगर आप अपने दोस्तों के साथ घर पर पार्टी प्लान कर रहे हैं, तो स्वादिष्ट स्नैक्स और स्टार्टर्स के बिना सेलिब्रेशन अधूरा है। घर पर आसानी से बनने वाले टेस्टी और क्रिस्पी स्नैक्स न सिर्फ मेहमानों का दिल जीतते हैं, बल्कि पार्टी का मजा भी दोगुना कर देते हैं। अच्छी बात यह है कि इन रेसिपीज़ को बनाने के लिए आपको महंगी सामग्री या ज्यादा समय की जरूरत नहीं होती। आलू, पनीर, ब्रेड, कॉर्न और कुछ सामान्य मसालों की मदद से आप रेस्टोरेंट जैसा स्वाद घर पर ही तैयार कर सकते हैं। चाहे बच्चों की छोटी-सी गेट-टुगेदर हो या दोस्तों की बड़ी पार्टी, ये स्नैक्स हर किसी को पसंद आएंगे।

दही के कबाब

अगर आप पार्टी में कुछ अलग और स्वादिष्ट परोसना चाहते हैं, तो दही के कबाब बेहतरीन विकल्प हैं। इन्हें बनाने के लिए गाढ़ा दही (हंग कर्ड), ब्रेड क्रम्ब्स, कद्दूकस किया हुआ पनीर, बारीक कटी हरी मिर्च, धनिया, काली मिर्च, चाट मसाला और स्वादानुसार नमक को अच्छी तरह मिलाकर मिश्रण तैयार करें। अब इससे छोटे-छोटे कबाब बनाएं और ब्रेड क्रम्ब्स में हल्का-सा कोट कर लें। नॉन-स्टिक पैन में थोड़ा तेल डालकर इन्हें दोनों तरफ से सुनहरा और क्रिस्पी होने तक शैलो फ्राई करें। बाहर से कुरकुरे और अंदर से मुलायम दही के कबाब को हरी चटनी या इमली की चटनी के साथ गर्मागर्म सर्व करें। यह स्टार्टर मेहमानों को जरूर पसंद आएगा।

ब्रेड पिज्जा

जब कम समय में कुछ स्वादिष्ट बनाना हो, तो ब्रेड पिज्जा सबसे आसान विकल्प है। सबसे पहले ब्रेड स्लाइस पर पिज्जा सॉस लगाएं। इसके ऊपर बारीक कटा प्याज, शिमला मिर्च, कॉर्न और अपनी पसंद की अन्य सब्जियां डालें। फिर ऊपर से भरपूर कद्दूकस किया हुआ चीज़ फैलाएं। अब इसे पहले से गर्म ओवन में 8-10 मिनट तक बेक करें या तवे पर ढककर तब तक पकाएं, जब तक चीज़ पूरी तरह पिघल न जाए। इसे टोमैटो केचप या चिली फ्लेक्स के साथ परोसें।

हनी चिली पोटैटो

हनी चिली पोटैटो एक इंडो-चाइनीज स्नैक है, जिसे बच्चे और युवा खासतौर पर पसंद करते हैं। सबसे पहले आलू को लंबा काटकर सुनहरा और क्रिस्पी होने तक फ्राई करें। एक पैन में थोड़ा तेल गर्म करके उसमें चिली सॉस, सोया सॉस और शहद डालकर अच्छी तरह मिलाएं। अब इसमें फ्राई किए हुए आलू डालकर सॉस के साथ अच्छी तरह टॉस करें। आखिर में तिल और बारीक कटे हरे प्याज से गार्निश करके गर्मागर्म परोसें।

चीज कॉर्न बॉल्स

अगर आप चीजी स्नैक पसंद करते हैं, तो चीज कॉर्न बॉल्स जरूर ट्राई करें। इसके लिए उबले हुए स्वीट कॉर्न, मैश किए हुए आलू, कद्दूकस किया हुआ चीज, नमक और काली मिर्च को अच्छी तरह मिलाएं। इस मिश्रण से छोटी-छोटी बॉल्स बनाकर ब्रेड क्रम्ब्स में अच्छी तरह लपेट लें। अब इन्हें गर्म तेल में सुनहरा और क्रिस्पी होने तक तलें। बाहर से कुरकुरे और अंदर से चीजी ये स्नैक्स पार्टी की जान बन जाएंगे।

पनीर टिक्का

अगर आप पार्टी में रेस्टोरेंट जैसा स्टार्टर सर्व करना चाहते हैं, तो पनीर टिक्का एक बेहतरीन विकल्प है। इसे बनाने के लिए 250 ग्राम पनीर, शिमला मिर्च और प्याज को बड़े टुकड़ों में काट लें। अब दही में अदरक-लहसुन पेस्ट, लाल मिर्च पाउडर, हल्दी, गरम मसाला, नमक और थोड़ा-सा तेल मिलाकर मेरिनेशन तैयार करें। इसमें पनीर और सब्जियों को डालकर कम से कम 30 मिनट के लिए मेरिनेट करें। इसके बाद सीख में लगाकर या नॉन-स्टिक पैन पर हल्का तेल डालकर सुनहरा होने तक सेंकें। तैयार पनीर टिक्का को हरी चटनी और प्याज के साथ गर्मागर्म परोसें।

क्रिस्पी वेज स्प्रिंग रोल

क्रिस्पी वेज स्प्रिंग रोल बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को पसंद आते हैं। इसे बनाने के लिए पत्ता गोभी, गाजर और शिमला मिर्च को बारीक काटकर थोड़ा-सा तेल डालकर हल्का भून लें। इसमें सोया सॉस, काली मिर्च और स्वादानुसार नमक मिलाएं। अब तैयार मिश्रण को स्प्रिंग रोल शीट में भरकर अच्छी तरह रोल करें और किनारों को मैदा के घोल से चिपका दें। इन्हें डीप फ्राई या एयर फ्राई करें, जब तक ये सुनहरे और कुरकुरे न हो जाएं। टमाटर सॉस या चिली सॉस के साथ सर्व करें।

वेज कटलेट

वेज कटलेट एक हेल्दी और स्वादिष्ट पार्टी स्नैक है। इसे बनाने के लिए उबले हुए आलू, मटर और गाजर को अच्छी तरह मैश करें। इसमें नमक, लाल मिर्च, गरम मसाला और अन्य पसंदीदा मसाले मिलाएं। अब इस मिश्रण से गोल या अंडाकार टिक्की बनाकर ब्रेड क्रम्ब्स में लपेट लें। नॉन-स्टिक पैन में थोड़ा तेल डालकर इन्हें दोनों तरफ से सुनहरा और कुरकुरा होने तक शैलो फ्राई करें। हरी चटनी या टोमैटो सॉस के साथ इसका स्वाद और भी बढ़ जाता है।

हंसना मना है

एक लड़की: हे भगवान, मेरी शादी किसी समझदार आदमी से करवा दो, भगवान: घर जाओ बेटी समझदार आदमी कभी शादी नहीं करते!

संता: आज तेरे मोबाइल पे बड़े आई लव यू के मैसेज आ रहे हैं, क्या बात है? बंता : ओ कुछ नहीं यार, अपनी ऐसी किस्मत कहां, आज तो बीवी का मोबाइल लाया हूं!

मां अपने बेटे से: उठ जा कम्बखत, देख सूरज कब का निकल आया है, बेटा अपनी मां से: तो क्या हुआ मां! वो सोता भी तो मुझसे पहले है।

हिंदी में एक लड़का फेल हुआ तो उसके पापा ने कहा, देख-देख उस लड़की को देख, वो तुम्हारे साथ पढ़ती है और फस्ट आयी है। लड़का: देख-देख क्या देख, उसी को देख-देख के तो फेल हुआ हूं!

लड़की: अगर मैं मर जाऊं तो तुम क्या करोगे? लड़का: मैं भी मर जाऊंगा, लड़की: पर क्यों? लड़का: कभी-कभी ज्यादा खुशी भी जान ले लेती है!

कहानी | मूर्खों का बहुमत

किसी जंगल में एक उल्लू रहता था। दिन में दिखाई न देने के कारण वह दिनभर एक पेड़ पर अपने घोंसले में छिपकर रहता था। सिर्फ रात होने पर ही वह भोजन के लिए बाहर निकलता था। एक बार दोपहर के समय कहीं से एक बंदर आया और वह उल्लू के घोसले वाले पेड़ पर आकर बैठ गया। गर्मी और धूप से परेशान बंदन ने कहा-ऊफ, बहुत गर्मी है। बंदर की बात को उल्लू ने भी सुन लिया। उससे रहा नहीं गया और बीच में ही बोल पड़ा-यह तुम झूठ कह रहे हो? सूर्य नहीं, बल्कि अगर चंद्रमा के चमकने की बात कहते तो मैं इसे सच मान लेता। बंदर बोला-भला दिन में चंद्रमा कैसे चमक सकता हैं। वह तो रात में चमकता है और यह दिन का समय है। उस बंदर ने उल्लू को अपनी बात समझाने का बहुत प्रयास किया कि दिन में सूरज ही चमकता है चंद्रमा नहीं, लेकिन उल्लू भी अपनी ही जिद पर अड़ा था। इसके बाद उल्लू ने कहा-चलो, हम दोनों मेरे एक मित्र के पास चलते हैं, वही इसका निर्णय करेगा। बंदर और उल्लू दोनों एक दूसरे पेड़ पर गए। उस दूसरे पेड़ पर उल्लुओं का एक बड़ा झुंड रहता था। उल्लू ने सभी को बुलाया और उनसे कहा कि दिन में आकार में सूर्य चमक रहा है या नहीं यह तुम सब मिलकर बताओ। उल्लु की बात सुनकर उल्लुओं का पूरा झुंड हंसने लगा। वह बंदर की बात का मजाक उड़ाने लगें। उन्होनें कहा-नहीं, तुम बेवकूफों जैसी बात कर रहे हो। इस समय आकार में तो चंद्रमा ही चमक रहा है और आकाश में सूर्य के चमकने की झूठी बात बोलकर हमारी बस्ती में झूठ का प्रचार मत करो। उल्लुओं के झुंड की बात सुनने के बाद भी बंदर अपनी ही बात पर अड़ा हुआ था। जिससे गुस्साए उल्लुओं ने बंदर को मारने के लिए उसपर झपट पढ़े। दिन का समय था और उल्लुओं को कम दिखाई दे रहा था इसी वजह से बंदर वहां से बचकर भाग निकलने में कामयाब हो गया और उसने अपनी जान बचाई।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

काम में मेहनत और नेतृत्व क्षमता का अच्छा इस्तेमाल कर पाएंगे। वरिष्ठों का सहयोग मिल सकता है। व्यापारिक योजनाओं को व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़ाएं।

वृषभ
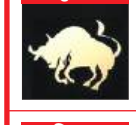
काम का दबाव रह सकता है। विवादों से दूर रहकर अपने लक्ष्य पर ध्यान दें। निवेश के मामलों में सावधानी बरतें। साझेदारों के साथ पारदर्शिता रखें।

मिथुन
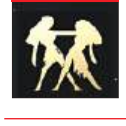
नेटवर्किंग और बातचीत से कामकाज में नए अवसर बन सकते हैं। मार्केटिंग और संचार से जुड़े कारोबार में गतिविधियां बढ़ सकती हैं। मानसिक शांति बनी रहेगी।

कर्क

सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। रुके हुए काम व्यवस्थित तरीके से पूरे करने पर ध्यान दें। नए संपर्क बन सकते हैं। किसी भी आर्थिक लेनदेन में लिखापढ़ी रखें।

सिंह

चंद्रमा के सिंह में होने से आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता मजबूत रह सकती है। नई जिम्मेदारी संभालने का अवसर मिल सकता है। ऊर्जा अच्छी रहेगी।

कन्या

ऑफिस की राजनीति से दूर रहें और अपने काम पर फोकस करें। प्रतिस्पर्धियों की गतिविधियों पर नजर रखें। कागजी मामलों में सावधानी बरतें।

तुला

टीम वर्क से काम बेहतर तरीके से पूरा होगा। सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। साझेदारी और व्यापारिक संपर्कों से नए अवसर मिल सकते हैं। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

वृश्चिक

कठिन काम भी मेहनत से पूरे किए जा सकते हैं। अधिकारियों से संवाद अच्छा रखें। जोखिमभरे सौदों से बचें और पुराने आर्थिक दायित्वों को व्यवस्थित करें।

धनु
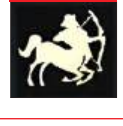
वरिष्ठों का मार्गदर्शन मिलेगा। अटके हुए काम पूरे करने पर ध्यान दें। नए समझौतों पर विचार कर सकते हैं। आर्थिक शर्तों की अच्छी तरह जांच करें।

मकर

निरंतर मेहनत से काम में प्रगति होगी। नई जिम्मेदारी मिल सकती है। रियल एस्टेट और कंस्ट्रक्शन से जुड़े काम में नई संभावनाएं बन सकती हैं।

कुम्भ

रचनात्मक काम करने वालों को पहचान मिल सकती है। नौकरी से जुड़े नए विकल्प सामने आएंगे। तकनीकी क्षेत्र में नए प्रोजेक्ट और संपर्क मिल सकते हैं।

मीन

काम में प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। वरिष्ठों से सराहना मिल सकती है। दूर के बाजारों और ग्राहकों से नए संपर्क बन सकते हैं। योग और नियमित व्यायाम जारी रखें।

दृश्यम-3 : तब्बू, श्रिया सरन और रजत कपूर अपने पुराने किरदारों में कर रहे हैं वापसी

अजय देवगन स्टारर दृश्यम की कहानी ने अब तक विजय सलगांवकर के हर दांव से दर्शकों को चौंकाया है। लेकिन इस बार कहानी में सस्पेंस का स्तर और बढ़ने वाला है। दरअसल, हाल ही में मेकर्स ने दृश्यम 3 यानी दृश्यम: द कन्क्लूजन का ट्रेलर लॉन्च किया है। इसमें विजय सलगांवकर के सामने इस बार तब्बू के साथ जयदीप अहलावत भी नजर आ रहे हैं। ट्रेलर ने फिल्म की कहानी, नए किरदारों और आने वाले ट्विस्ट को लेकर उत्सुकता बढ़ा दी है। दृश्यम 2 की कहानी जहां खत्म हुई थी, दृश्यम: द कन्क्लूजन की कहानी वहीं से आगे बढ़ती है। विजय सलगांवकर ने अब तक अपने परिवार को जिस तरह हर मुश्किल से बचाकर रखा है, उसके सामने एक बार फिर बड़ा खतरा खड़ा हो गया है। इस बार केस की जिम्मेदारी राजवीर के हाथ में आती है, जो किसी भी कीमत पर सच्चाई तक पहुंचना चाहता है। राजवीर के केस संभालते ही विजय और उसके परिवार पर दबाव बढ़ता नजर आता है। पुलिस की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ती है, पुराने राज फिर से सामने आने लगते हैं। वहीं नए सवाल भी खड़े होते हैं, जिनका जवाब विजय के लिए आसान नहीं होगा। प्रकाश राज की मौजूदगी भी कहानी में तनाव और बढ़ाती है। फिल्म में तब्बू, श्रिया सरन और रजत कपूर भी अपने पुराने किरदारों में वापसी कर रहे हैं। यानी दर्शकों को पिछली फिल्मों से जुड़े कई जाने-पहचाने चेहरे एक बार फिर देखने को मिलेंगे। हालांकि 'दृश्यम: द कन्क्लूजन' सिर्फ पिछली फिल्मों की कहानी को आगे बढ़ाने वाली फिल्म नहीं है। फ्रेंचाइजी से जुड़ी होने के बावजूद इस बार कहानी नई है और इसका स्क्रीनप्ले भी बिल्कुल नया रखा गया है। यही वजह है कि दर्शकों को पुराने किरदारों के साथ एक नई कहानी और नए ट्विस्ट देखने को मिलेंगे। ट्रेलर में भी इसी बात की झलक दिखाई देती है। विजय की जिंदगी से जुड़े पुराने राज दोबारा चर्चा में आते हैं और उसके परिवार को लेकर नए सवाल खड़े होते हैं। राजवीर जिस तरह इस केस की तह तक जाने की कोशिश कर रहा है, उससे विजय की मुश्किलें लगातार बढ़ती दिखाई देती हैं। अब एक बार फिर विजय के सामने वही चुनौती है-खुद को और अपने परिवार को बचाने के लिए पुलिस से कई कदम आगे रहना। लेकिन इस बार सवाल बड़ा है कि क्या विजय फिर से जांच एजेंसियों को चकमा दे पाएगा या पुराने राज आखिरकार दुनिया के सामने आ जाएंगे।

अक्षय कुमार की अगली फिल्म में विद्या बालन और राशि खन्ना के साथ खूब जमेगी जोड़ी

अक्षय कुमार कल यानि बुधवार को 59 साल के हो गए हैं। ऐसे में एक्टर भला अपने नए प्रोजेक्ट को अनाउंस करने का मौका कैसे छोड़ सकते थे। उनकी लेटेस्ट फिल्म हैवान रिलीज के इंतजार में है। वहीं विद्या बालन और राशि खन्ना के साथ उनकी अगली फिल्म भी बहुत जल्द बड़े पर्दे पर आने वाली है। ऐसे में लग रहा है कि एक्टर ने इस खास मौके को देखते हुए टाइटल अनाउंस कर दिया है। अनीस बज्मी की फिल्म में अक्षय के साथ काम करने वालीं को-स्टार्स राशि खन्ना और विद्या बालन ने इंस्टाग्राम पर अक्षय को उनके खास दिन की बधाई दी। अक्षय ने इसे अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर रीपोस्ट किया और लिखा,आप दोनों का बहुत-बहुत धन्यवाद! साफ है कि हमें इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि हम कहां हैं, बस हर तरफ मौजा ही मौजा होनी चाहिए!

कब रिलीज होगी फिल्म?

इससे साफ पता चलता है कि अनीस और अक्षय की साथ वाली फिल्म का टाइटल मौजा ही मौजा है। बता दें कि अक्षय कुमार बहुत जल्द प्रियदर्शन की फिल्म हैवान में नजर आएंगे जिसमें वो एक नेगेटिव कैरेक्टर प्ले कर रहे हैं। फिल्म 11 सितंबर को रिलीज होने वाली है।

इतना ही नहीं, अनीस ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से भी अक्षय को जन्मदिन की बधाई दी और लिखा, हैप्पी बर्थडे, अक्षय जी! जब हमने पहली बार साथ काम किया था, तब से लेकर अब तक हमने जितनी भी यादें बनाई हैं, उनमें आपके काम के प्रति लगन, अनुशासन और सिनेमा के लिए आपके जुनून को देखना हमेशा सुखद रहा है। अनीस ने आगे लिखा- आप अपनी हर फिल्म और हर किरदार में एक अद्भुत ऊर्जा लाते हैं, और आपकी इसी प्रतिबद्धता की मैं हमेशा तारीफ करता रहा हूं। ढेर सारा प्यार और शुभकामनाएं।

अक्षय ने इसे अपनी स्टोरीज पर रीपोस्ट किया और जवाब में लिखा,धन्यवाद, अनीस जी। आपके सेट पर काम करते समय मन में बस एक ही भावना आती है... मौजा ही मौजा! आगे जो कुछ भी होने वाला है, उसके लिए मैं बहुत उत्साहित हूं।

मैं रणबीर को राम जी के रूप में स्वीकार नहीं कर सकता: शिव

राणबीर कपूर स्टारर फिल्म रामायण का ट्रेलर आने के बाद से ही इस फिल्म के किरदारों को लेकर बहस तेज हो गई है। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान श्रीराम की भूमिका में नजर आ रहे हैं और कई लोगों को उनकी सादगी और सौम्यता को काफी पसंद आ रही है। वहीं काफी लोग फिल्म में भगवान राम के किरदार में रणबीर कपूर को कास्ट किए जाने पर बड़ा सवाल कर रहे हैं। अब ऐसे ही लोगों की लिस्ट में भारतीय टेलीविजन का ऐतिहासिक और सबसे लोकप्रिय पौराणिक धारावाहिक रामायण बनाने वाले रामानंद सागर के पोते शिव सागर भी शामिल हैं। उन्होंने रणबीर कपूर को भगवान राम के किरदार में दिखाए जाने पर आपत्ति जताई है।

बता दें कि इस फिल्म में साई पल्लवी माता सीता के किरदार में और यश रावण के दमदार रोल में दिखाई दे रहे हैं। इसके अलावा सनी देओल भगवान राम के भक्त हनुमान के और रवि दुबे लक्ष्मण के किरदार में नजर आ रहे हैं। रामानंद सागर के पोते शिव सागर ने फिल्म को लेकर अपनी राय दी है। हालांकि, शिव सागर कलाकार के तौर पर रणबीर कपूर को प्रतिभाशाली एक्टर मानते हैं। लेकिन उनका कहना है कि फिल्म में यह भूमिका रणबीर को नहीं बल्कि किसी ऐसे कलाकार को दी जा सकती थी जिसकी पिछली फिल्मों से कोई मजबूत छवि न हो। उन्होंने इस किरदार की कास्टिंग को लेकर अपनी चिंता जाहिर की और और संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म एनिमल में एक्टर के नेगेटिव किरदार का हवाला दिया।

पंजाबी सिंगर एमी विर्क पर कनाडा में हमला रोल्स रॉयस कार पर दागी गई 7 गोलियां, बाल-बाल बचे

मशहूर पंजाबी सिंगर और एक्टर एमी विर्क पर कनाडा में हमला हुआ है। जी हां, बताया जाता है कि यह घटना बीते शनिवार, 5 सितंबर को ब्रिटिश कोलंबिया के एबॉट्सफोर्ड में एमी के कॉन्सर्ट के ठीक बाद की है। इस दौरान हमलावरों ने सिंगर के काफिले की एक गाड़ी को निशाना बनाया। पुलिस ने इसे टारगेटेड शूटिंग यानी खास मकसद से की गई गोलीबारी माना है। अभी तक इस हमले में किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

किस्मत सॉन्ग फेम एमी विर्क 34 साल के हैं। उन्हें इस हमले में कोई चोट नहीं पहुंची है। वॉयस ऑनलाइन की रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने बताया कि मैकलम रोड के 2500-ब्लॉक से गुजर रही एक गाड़ी पर गहरे रंग की SUV में सवार लोगों ने गोलियां चलाईं।

शादीशुदा खेसारी लाल ने अफीम गाने में लांघी मर्यादा!

बिग बॉस 18 फेम और इंटरनेट पर्सनैलिटी हेमा शर्मा वायरल भाभी के नाम से मशहूर हैं। हेमा ने भोजपुरी इंडस्ट्री के सुपरस्टार खेसारी लाल यादव पर अश्लील कंटेंट बनाने का आरोप लगाया है। हेमा का कहना है कि खेसारी ने अपने अफीम गाने में काफी गंदे सीन्स डाले हैं। उन्हें इस तरह के सीन्स करने से बचना चाहिए।

खेसारी के गाने पर भड़क गई हैं वायरल भाभी हेमा शर्मा

खेसारी लाल यादव का भोजपुरी गाना अफीम 29 अगस्त को रिलीज हुआ है। गाने में उनके साथ कंगना शर्मा नजर आईं। अफीम गाने में खेसारी और कंगना ने कई इंटीमेट और बोल्ड सीन्स दिए हैं। खेसारी के गाने पर वायरल भाभी यानी हेमा शर्मा भड़क गई हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में खेसारी को इस तरह के इंटीमेट सीन देने पर खरी-खोटी सुनाई है। हेमा बोलीं- खेसारी लाल जी होंगे अपनी जगह। उनका एक गाना आया है अफीम। मैं उसपर कहना चाहूंगी कि उन्होंने बड़े ही गंदे सीन डाले हैं। लड़की को वो काट रहे हैं। ड्रग्स की एक्टिंग कर रहे हैं। वो उन्हें नहीं करना चाहिए था। हेमा आगे बोलीं- मैं यह पूछना चाहती हूं कि इतने बड़े स्टार होकर आप जनता को क्या मैसेज दे रहे हो। आप जनता से क्या कहना चाहते हो कि आओ तुम भी ड्रग्स लो। उन्हें ये नहीं करना चाहिए था। मैंने जब उनका गाना देखा तो मैंने बोला कि मैं ऐसे गानों को कभी जिंदगी में नहीं करना चाहूंगी। जब आप एक बड़ा नाम होते हैं, तो आप पर एक बड़ी जिम्मेदारी होती है। आप अच्छा मैसेज दें, जनरेशन को। बता दें कि खेसारी लाल यादव का गाना अफीम यूट्यूब पर ट्रेंड कर रहा है। गाने पर फैंस का जबरदस्त रिस्पॉन्स देखने को मिल रहा है। फैंस का कहना है कि खेसारी ने इंटीमेट सीन्स से आग लगा दी है। लेकिन कुछ लोग उनके बोल्ड सीन्स पर ऐतराज जता रहे हैं। वैसे आपका क्या कहना है।

दिल्ली में ब्रिक्स समिट को लेकर मचा सियासी बवाल

कांग्रेस बोली- इससे भारत को कोई फायदा नहीं

» भाजपा का पलटवार, बोली- कांग्रेस ने क्या किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स समिट को लेकर सियासी बवाल मच गया है। इसको लेकर कांग्रेस व भाजपा में बहस छिड़ गई हैं। कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने हाल के ब्रिक्स समिट से भारत को मिले फायदों पर सवाल उठाया, कहा पिछली दो-तीन बैठकों से कोई ठोस नतीजा नहीं मिला। वहीं पलटवार करते हुए भाजपा ने कांग्रेस से पूछा आपने क्या किया है। आपको बता दें एक तरफ जहां ब्रिक्स समिट की तैयारियां चल रही हैं, वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद पी. चिदंबरम ने सवाल उठाया कि हाल के ब्रिक्स समिट से भारत को असल में क्या फायदा हुआ है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उन्हें पिछली दो-तीन बैठकों से कोई खास नतीजा देखने को नहीं मिला है। दिल्ली में होने वाले 26 के ब्रिक्स समिट के बारे में बात करते हुए चिदंबरम ने कहा कि भारत ब्रिक्स, शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ), जी20 और क्वाड जैसे कई बहुपक्षीय समूहों का हिस्सा है, लेकिन उन्होंने सवाल उठाया कि देश को इनसे क्या ठोस फायदे मिले हैं।

चिदंबरम की ये बातें ऐसे समय में सामने आई हैं जब राष्ट्रीय राजधानी में ब्रिक्स समिट 26 की तैयारियां चल रही हैं और नागरिक व इंफ्रास्ट्रक्चर एजेंसियां इस आयोजन से पहले इंतजामों को बेहतर बना रही हैं। भारत 12-13 सितंबर, 026 को नई दिल्ली में ब्रिक्स समिट की मेजबानी करेगा।

पीएम बताएं दो-तीन ब्रिक्स सम्मेलनों से कोई ठोस फायदा

चिदंबरम ने कहा, मुझे नहीं पता कि कितने राष्ट्रपति और कितने प्रधानमंत्री आ रहे हैं। मुझे नहीं लगता कि पिछले दो-तीन ब्रिक्स सम्मेलनों से कोई ठोस फायदा या ठोस नतीजे निकले हैं। उन्होंने आगे कहा, असल में हम ब्रिक्स, एससीओ, जी20 और क्वाड का हिस्सा हैं। इससे हमें क्या फायदा हो रहा है? मुझे तो कोई फायदा नहीं दिखता। पिछली दो-तीन समिट में मुझे कोई फायदा नजर नहीं आया। पहले, ब्रिक्स समिट से कुछ ठोस फायदे होते थे।

कांग्रेस कूटनीति को किस नजरिए से देखती है : कोहली

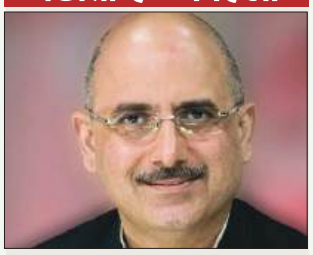

कांग्रेस नेता पर पलटवार करते हुए बीजेपी ने कांग्रेस की कूटनीति की समझ पर सवाल उठाए। बीजेपी के नेता नलिन कोहली ने कहा, इससे यह सवाल उठता है कि कांग्रेस कूटनीति को किस नजरिए से देखती है। अपने कार्यकाल के दौरान कांग्रेस ने पाकिस्तान को आतंकवाद का शिकार बताया था, जबकि वह खुद आतंकवाद फैलाने वाला देश है। उन्होंने आगे पूछा, क्या कांग्रेस कूटनीति को सिर्फ लेन-देन के नजरिए से देखती है कि वह ठोस फायदों के बारे में पूछ रही है? उन्होंने कांग्रेस पर एक बड़े और अहम कार्यक्रम पर राजनीति करने की कोशिश करने का आरोप भी लगाया।

राजनीति से प्रेरित झूठ बोले जा रहे : स्टालिन

» मुख्यमंत्री विजय के किए गए 'जबड़े के इशारे' पर डीएमके प्रमुख ने चुप्पी तोड़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष एम. के. स्टालिन ने तमिलनाडु विधानसभा में कड़े कानून 'मीसा' से जुड़ी टिप्पणियों के दौरान मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय द्वारा किए गए 'जबड़े के इशारे' पर बृहस्पतिवार को अपनी चुप्पी तोड़ी और आपातकाल के दौरान जेल में अपने साथ हुई गंभीर शारीरिक ज्यादती को याद किया। विजय द्वारा सरकरिया आयोग की रिपोर्ट का हवाला देते हुए दशकों पुराने भ्रष्टाचार के आरोप उठाए जाने पर स्टालिन ने उनकी आलोचना की और इन आरोपों को ''राजनीति से प्रेरित झूठ'' करार दिया। उन्होंने कहा कि ये आरोप उन लोगों द्वारा फैलाए गए, जो पूर्व मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि के प्रति लंबे समय से नाराजगी रखते थे। मीसा के दौर के अपने इतिहास का उल्लेख करते हुए स्टालिन ने 'एक्स' पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में स्वीकार किया कि मीसा के इतिहास को लेकर विजय की बात सही थी।

उन्होंने आपातकाल के दौरान हुए दमन का जिक्र करते हुए बताया कि 31 जनवरी 1976 को करुणानिधि द्वारा मीसा कानून का विरोध किए जाने के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। स्टालिन ने जेल में अपने साथ हुए कठोर व्यवहार का विस्तार से उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि उनके साथ मारपीट की गई, जिसके कारण उनके सहयोगी चिट्टी बाबू की मौत हो गई और उन्हें खुद भी चोटें आईं। स्टालिन ने वीडियो में कहा, मुझे एहसास है कि हाल ही में संपन्न विधानसभा सत्र के दौरान हुई कुछ घटनाओं से तमिल लोगों और हमारे भाइयों में गुस्सा और असंतोष पैदा हुआ है।

बीसीसीआई एजीएम में महिम वर्मा के प्रतिनिधित्व पर सवाल

» सीएएयू से मांगा स्पष्टीकरण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बीसीसीआई की आगामी वार्षिक आम बैठक (एजीएम) से पहले सीएएयू के प्रतिनिधित्व को लेकर सवाल उठने लगे हैं। मामला सीएएयू के पूर्व सचिव महिम वर्मा को एजीएम में उत्तराखंड के प्रतिनिधि के तौर पर भेजे जाने से जुड़ा है। सवाल यह है कि यदि महिम वर्मा वर्तमान में सीएएयू के किसी आधिकारिक पद पर नहीं हैं, तो उन्हें एजीएमके लिए राज्य संघ का प्रतिनिधि बनाए जाने का संवैधानिक और प्रशासनिक आधार क्या है। महिम वर्मा सीएएय के पूर्व सचिव रहे हैं, जबकि वर्तमान में उनकी पत्नी किरण रौतेला वर्मा सीएएय की सचिव हैं। ऐसे में यह सवाल भी उठ रहा है कि मौजूदा सचिव के रहते पूर्व सचिव को बीसीसीआईकी महत्वपूर्ण बैठक में राज्य संघ का प्रतिनिधित्व करने की जिम्मेदारी क्यों दी गई।

हालांकि, केवल पारिवारिक संबंध अपने आप में किसी नियम के उल्लंघन का प्रमाण नहीं है। महत्वपूर्ण यह है कि सीएयम ने महिम वर्मा के नाम का चयन किस प्रक्रिया के तहत किया और क्या इसके लिए संघ के सक्षम निकाय से औपचारिक मंजूरी ली गई। मामले का एक अहम पहलू कूलिंग-ऑफ प्रावधानों से जुड़ा है। क्रिकेट प्रशासन में कार्यकाल और कूलिंग-ऑफ से संबंधित नियमों का उद्देश्य किसी व्यक्ति के लंबे समय तक लगातार प्रशासनिक नियंत्रण को सीमित करना है। ऐसे में यदि महिम वर्मा कूलिंग-ऑफ से संबंधित किसी प्रावधान के दायरे में आते हैं, तो यह स्पष्ट किया जाना जरूरी है कि उन्हें तरूमें राज्य संघ का प्रतिनिधित्व करने की अनुमति किस नियम के तहत दी गई। साथ ही यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि लागू संविधान और नियमों के अनुसार कूलिंग-ऑफ की स्थिति सीएएयू प्रतिनिधि के रूप में पात्रता को किस प्रकार प्रभावित करती है।

सूची से बाहर किये गए वास्तविक मतदाताओं को उपचुनाव में मौका मिले: समीरुल इस्लाम

» तृणमूल कांग्रेस के रास सदस्य की चुनाव आयोग से अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नयी दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य समीरुल इस्लाम ने निर्वाचन आयोग से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के एसआईआर के दौरान सूची से बाहर किये गए वास्तविक मतदाताओं को नंदीग्राम और रेजीनगर विधानसभा सीट पर उपचुनाव में वोट देने के अधिकार से वंचित न किया जाए। तृणमूल सांसद ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि एसआईआर ने वर्तनी में अंतर, बांग्ला और अंग्रेजी भाषाओं के बीच रूपांतरण की गलतियों और जन्म-तिथि में मामूली अंतर के कारण ''लगभग लाखों'' वास्तविक मतदाताओं को बाहर कर दिया, जिनमें वे लोग भी शामिल थे जिनका पूर्व में मतदान का रिकॉर्ड रहा है।

निर्वाचन आयोग के अनुसार, इन दो सीट के लिए छह अक्टूबर को मतदान होगा और नौ अक्टूबर को मतगणना होगी। नंदीग्राम सीट उस वक्त रिक्त हुई जब मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने, जिन्होंने 026 के विधानसभा चुनावों में नंदीग्राम और भवानीपुर दोनों सीट जीती थीं, भवानीपुर सीट अपने पास रखने का फैसला किया।

ममता बनर्जी को टीएमसी के बागियों की चुनौती, नंदीग्राम सीट से चुनाव लड़ें

पश्चिम बंगाल में दो सीटों नंदीग्राम और रेजीनगर में होने वाले विधानसभा उप-चुनाव को लेकर सियासी पारा गर्म है। ममता बनर्जी को टीएमसी के बागियों ने चुनौती दी है कि वो इस सीट से चुनाव लड़ें। अगर वो नंदीग्राम से लड़ती हैं तो उम्मीदवार नहीं उतारेंगे। इस बीच सत्ताधारी भजपा ने विधानसभा उपचुनाव से पहले 263 सदस्यों वाली राज्य कार्यकारिणी समिति बनाई है। इसमें वरिष्ठ नेताओं को संगठनात्मक जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं, जिनमें सुवेंदु अधिकारी भी शामिल हैं। अधिकारी को तामलुक संगठनात्मक जिले की जिम्मेदारी दी गई है। इसी जिले में नंदीग्राम विधानसभा क्षेत्र आता है।

यूपी सरकार से सुप्रीम सवाल

» शीर्ष कोर्ट ने पूछा- पूर्व विधायकों को पेंशन और सुविधाएं क्यों?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के पूर्व विधायकों और विधान परिषद के पूर्व सदस्यों को आजीवन पेंशन और अन्य सुविधाएं देने वाले राज्य के कानून को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। अदालत ने इस मामले पर उत्तर प्रदेश सरकार से जवाब मांगा है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने सरकार को नोटिस जारी कर चार हफ्ते में जवाब मांगा है।

यह याचिका एनजीओ लोक प्रहरी ने दायर की है। इसमें मई 26 के इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी गई है, जिसमें उत्तर प्रदेश राज्य विधानमंडल अधिनियम, 1980 के संबंधित प्रावधानों की संवैधानिक वैधता बरकरार रखी गई थी।

भारत-बांग्लादेश के बीच सेमीफाइनल आज

» महिला एशिया कप: फाइनल में जगह बनाने उतरेगी सात बार की चैंपियन भारतीय टीम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दुबई। सात बार की चैंपियन भारतीय टीम बांग्लादेश के खिलाफ महिला एशिया कप के पहले सेमीफाइनल में उतरेगी तो दोनों देशों के बीच राजनयिक तनाव की पृष्ठभूमि में होने वाले इस मुकाबले में हरमनप्रीत कौर की टीम का पलड़ा भारी रहेगा। भारतीय टीम पूरे टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में रही है और सारे मैच जीतकर ग्रूप ए में शीर्ष स्थान हासिल किया। भारतीय बल्लेबाजी काफी मजबूत रही है और स्मृति मंधाना ने हांगकांग के खिलाफ 64 गेंद में 124 रन बनाकर फिर साबित कर दिया कि उन्हें आधुनिक दौर के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में क्यो गिना जाता है।

महिला टी20 क्रिकेट में सबसे तेजी से 3000 रन पूरे करने वाली विस्फोटक बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने टीम को अच्छी शुरूआत देकर पावरप्ले में विरोधी टीमों को दबाव में रखा है। मध्यक्रम में कप्तान हरमनप्रीत और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋचा घोष ने आखिरी ओवरों में अच्छे रन बनाए हैं। गेंदबाजी में भारत के पास विविधता और गहराई है। दीप्ति शर्मा महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज बन गई हैं। उन्होंने राधा यादव और श्री चरणी के साथ मिलकर हर मैच में स्पिन का जाल बखूबी बुना है। तेज गेंदबाज रेणुका ठाकुर के पास भी नई गेंद से टीम को शुरुआती सफलताएं दिलाने की क्षमता है। भारत ने अब तक सात बार यह टूर्नामेंट जीता है, जबकि श्रीलंका और बांग्लादेश एक एक बार जीत चुके हैं। श्रीलंका मौजूदा चैंपियन है और बांग्लादेश ने 2018 में खिताब जीता था। भारतीय टीम का प्रदर्शन पूरे टूर्नामेंट में शानदार रहा है और टीम अजेय चल रही है। भारत तीनों मैचों में बिना किसी बदलाव के उतरी है और माना जा रहा है कि सेमीफाइनल में भी टीम प्लेइंग-11 में कोई बदलाव नहीं करेगी। दूसरी ओर, बांग्लादेश की टीम अब तक 14 खिलाड़ियों को आजमा चुकी है। माना जा रहा है कि बांग्लादेश भी इस मुकाबले के लिए टीम में बड़े बदलाव नहीं करेगा।

मंधाना के पास सूजी बेट्स को पीछे छोड़ने का मौका

दुबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना के पास महिला एशिया कप 2026 में इतिहास रचने का मौका है। अगर मंधाना 69 रन बना लेती हैं तो वह महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लेंगी। स्मृति मंधाना फिलहाल 174 टी20 मुकाबलों में 30.65 की औसत के साथ 4,690 रन बना चुकी हैं, जिसमें दो शतक और 35 अर्धशतक शामिल हैं। महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड फिलहाल न्यूजीलैंड की सूजी बेट्स के नाम पर है जिन्होंने 186 मुकाबलों में 28.83 की औसत के साथ 4758 रन जुटाए हैं। वहीं, भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर 205 मुकाबलों में 4249 रनों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। श्रीलंकाई कप्तान चामरी अट्टापट्टू 168 मुकाबलों में 4,095 रन बनाकर चौथे पायदान पर हैं।

चरथावल में महंगाई की मार जिंदगी स्लो, महंगाई फास्ट

क्षितिजकांत

बेबाक बोल जनता खोल रही पोल

चरथावल विस की ग्राउंड रिपोर्ट

» सुझड़ू गांव के 35 हजार वोटरों ने किया ऐलान - 27 में भाजपा दूर-दूर तक नहीं दिखेगी, मजदूर, किसान व्यापारी सब परेशान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चरथावल (मुजफ्फरनगर)। चरथावल विधानसभा में इस बार चुनाव विकास पर नहीं, रोजी-रोटी और महंगाई पर लड़ा जा रहा है। महंगाई ने कमर तोड़ दी, धंधा चौपट हो गया।

सुझड़ू बेल्ट में महंगाई, जीएसटी, गन्ना मूल्य और शिक्षा जैसे चार बड़े मुद्दे हावीं हैं। मजदूर की दिहाड़ी 400 और चीनी 72 रुपये के आंकड़े ने सरकार के दावों पर सवाल खड़ा कर दिया है।

चरथावल सीट का इतिहास

चरथावल सीट का इतिहास देखें तो यहां कई धार्मिक स्थल हैं। चरथावल में रोहाना मोड़ पर सिद्धपीठ प्राचीन महादेव मंदिर है। बड़े बुजुर्ग बताते हैं कि अंग्रेजी हुकूतम में इस मंदिर का निर्माण कराया गया था। चरथावल में मोहल्ला चौहट्टा में भू-गर्भ से शिवलिग निकला हुआ है। दूरदराज से श्रद्धालु यहां भक्ति भाव से आते हैं। इस क्षेत्र से अंग्रेजों के खिलाफ क्रांति का बिगुल भी बजा था। आचार्य अभयदेव ने असहयोग आंदोलन में हिस्सा लिया था। अंग्रेजों ने उन्हें गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया था। जेल में उन्होंने एक किताब भी लिखी थी। तब जेल में बंदियों से सरकारी दस्तावेजों पर अंगूठा लगवाया जाता था, लेकिन आचार्य अभयदेव ने यह कहकर इनकार दिया था कि मैं पढ़ा-लिखा हूं अंगूठा नहीं लगाऊंगा। इसे बाद जेल के नियमों में बदलाव हुआ था और पढ़े-लिखे बंदी व कैदी हस्ताक्षर करने लगे थे। ब्रिटिश हुकूमत से देश आजाद होने के बाद इन्होंने 1950 में श्रीअरविद आश्रम निकेतन की स्थापना की थी। यहां पर वह युवाओं समेत नागरिकों को ध्यान व योग की शिक्षा देते थे।

खर्चा रुपया, आमदनी चवन्नी, बच्चों का पेट काटना पड़ रहा : राजू, फास्ट फूड कारोबारी

फास्ट फूड की रेहड़ी लगाने वाले राजू ने कहा, हमारी जिंदगी में सब स्लो हो गया, महंगाई फास्ट हो गई। 30 रुपये वाला चाऊमीन का

पैकेट अब 60 का आता है, वजन उतना ही है। हम आज भी 10 रुपये प्लेट बेच रहे हैं। राजू बोले, सामान महंगा बेचो तो ग्राहक नहीं आता, सस्ता बेचो तो नुकसान। बच्चों के सामान में कटौती करनी पड़ती है। शिक्षा राम भरोसे है, बड़े बजट पास होते हैं, जमीन पर कुछ नहीं। मैं राजपूत हूं, ठाकुर हूं, कहते हैं रामराज्य है, पर लाभ कुछ नहीं। राम मंदिर बना खुशी है, पर गरीब को क्या मिला? ऊपर से चंदे के नाम पर लूट हुई। मजदूर 8 से 6 बजे तक 400 रुपये कमाता है, उसमें आटा-दाल-तेल कैसे आएगा।

सुझड़ू के लोंगों ने भाजपा को हटाने का मन बना लिया है: पप्पू त्यागी

किसान नेता पप्पू त्यागी ने कहा, इस सरकार ने मजदूर-किसान और छोटे-बड़े व्यापारी सबको बर्बाद कर दिया। ये सुझड़ू गांव है, 50 हजार आबादी, 35 हजार वोटर, लेकिन किसी की जिंदगी नहीं बदली। हमने भाजपा हटाने की पूरी तैयारी कर ली है। उन्होंने कहा, गन्ने का मूल्य नहीं मिल रहा, किसान टिंबर-पॉपुलर लगाने को मजबूर है। रुक्क की बात करते हैं, देते नहीं। आंदोलन करो तो खालिस्तानी बोलते हैं। अपनी फसल यहां बेचो तो दाम नहीं, हरियाणा जाओ तो बॉर्डर पर रोक देते हैं, मजबूरी में बिचौलियों को बेचना पड़ता है। पप्पू त्यागी ने ऐलान किया, 27 में विधानसभा चुनाव में भाजपा यूपी में दूर-दूर तक नहीं दिखेगी। कोई भी सरकार आए, बस भाजपा नहीं चाहिए।

जीएसटी आया, धंधा खत्म नाश्ते से चाय गायब : शमशाद

चरथावल के शमशाद त्यागी ने कहा, पहले यहां सरिया-लोहे का कारोबार होता था, रोजी-रोटी अच्छी चलती थी।

GST के बाद धंधा एकदम खत्म हो गया। पहले 700 रुपये रोज कमा लेते थे, अब 300 रुपये बड़ी मुश्किल से मिलते हैं। 70 रुपये किलो चीनी हो गई है, नाश्ते की प्याली से चाय गायब हो गई। मोदी जी ने कहा था हवाई चप्पल वाला हवाई जहाज में बैठेगा, 15 लाख आएगा, कुछ नहीं हुआ। जो काम था वो भी छिन गया। उन्होंने पुलिस पर भी आरोप लगाया कि 5-5 जगह चेकिंग लगाकर फर्जी परेशान किया जाता है।

400 दिहाड़ी में क्या खिलाऊं, क्या पालूं कई बार भूखे सोना पड़ता है : सलीम

मजदूर सलीम ने कहा, 400 रुपये दिहाड़ी कमाता हूं,

बताइए बच्चे को खिलाऊं या परिवार पालूं। चीनी 72 रुपये किलो है। आटा, तेल, घी सब महंगा। मजदूर को इस सरकार ने खा लिया है। सरकारी स्कूल की हालत सब जानते हैं, प्राइवेट की फीस महंगी, बच्चों को कैसे पढ़ाऊं। महंगाई बढ़ रही, मजदूरी बढ़ नहीं रही, कई बार भूखे सोना पड़ता है।

राजनीतिक रसूख

राजनीतिक तौर देखे तो इस विधानसभा सीट के लोगों ने सभी दलों पर विश्वास जताया। यहां से भाजपा, बसपा और कांग्रेस के प्रत्याशियों ने जीत दर्ज की। वर्ष 2007 में यह सीट सुरक्षित थी और अनिल कुमार विधायक थे। इसके बाद यह सीट अनारक्षित हो गई। वर्ष 12 में बसपा के नूरसलीम राना ने भाजपा के विजय कश्यप को मात दी। वहीं वर्ष 17 में भाजपा के विजय कश्यप ने सपा प्रत्याशी मुकेश चौधरी को करीब 22 हजार मतों से हराया था। विजय कश्यप को इसका इनाम मिला और उन्हें राज्यमंत्री बनाया गया। हालांकि एक वर्ष कोरोना से उनका निधन हो गया।

विधानसभा क्षेत्र पर एक नजर

चरथावल विधानसभा क्षेत्र भारत के उत्तर प्रदेश विधानसभा के 403 निर्वाचन क्षेत्रों में से एक है । यह मुजफ्फरनगर जिले का हिस्सा है और मुजफ्फरनगर लोकसभा क्षेत्र के पांच विधानसभा क्षेत्रों में से एक है। इस विधानसभा क्षेत्र में पहला चुनाव 1967 में परिसीमन आदेश (1967) पारित होने के बाद हुआ था। 1967 से 2008 तक, यह निर्वाचन क्षेत्र अनुसूचित जाति समुदाय के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित था। 8 में, संसदीय और विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन आदेश, 8 पारित होने के बाद, यह निर्वाचन क्षेत्र सभी उम्मीदवारों के लिए खोल दिया गया। चरथावल विधानसभा क्षेत्र का विस्तार बघरा, चरथावल, कुटेसरा, ढिंढावली, पीसी नारा, जरौदा, बहादरपुर, लछेड़ा, सुजरू, बिहारी, हरसौली, तावली, सिमली, वहलना, निरमाना, कुकरा केसी का बरवाला और मुजफ्फरनगर तहसील का चरथावल एनपी है। चरथावल विधानसभा सीट का गठन वर्ष 1967 में किया गया था। एमचंद इस विधानसभा क्षेत्र से पहले विधायक रहे।

बख्तियारपुर का नाम नीतीशपुर सुनते ही भड़की राजद, बोली-

हिंदुस्तान का नाम मोदी पर रख दें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। पटना से सटे बख्तियारपुर का नाम बदलेगा या क्या होगा लेकिन चर्चा के बीच सियासत तेज हो गई है। बीते बुधवार को जीतन राम मांझी के बेटे और बिहार सरकार के मंत्री संतोष सुमन ने सम्राट चौधरी को सुझाव दिया कि इसका नाम बदलकर नीतीशपुर कर दिया जाए. इस बीच आरजेडी की प्रतिक्रिया आई है। आरजेडी विधायक भाई वीरेंद्र ने गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए कहा, हिंदुस्तान का नाम भी मोदी के नाम पर रख दिया जाए।

देश के प्रधानमंत्री हैं और हिंदुस्तान और भारत का नाम दोनों बदल जाए। कहें मोदी देश है, ये तो गजब बात है। भाई वीरेंद्र ने सवाल उठाया कि कि बख्तियारपुर का नाम नीतीशपुरम और नीतीशपुर क्यों होगा? ये बख्तियारपुर है और बख्तियारपुर ही रहे। इस पर राजनीति न हो, लोग टीटीएम न करें, बिहार की जनता भूखमरी के कगार पर है, बेरोजगार को रोजगार नहीं मिल रहा है उस पर कोई चर्चा नहीं हो रही है। मीडिया के एक सवाल पर कि भाई वीरेंद्र ने संतोष सुमन पर निशाना साधा। कहा कि लोग टीटीएम न करें. बिहार की जनता चाहती है कि जो लोग भूखमरी से परेशान हैं उसको दूर करिए। बेरोजगारों को रोजगार दीजिए, नहीं तो रोड पर जब निकलेंगे तो जो खेल अन्य देशों में शासकों के साथ हुआ है वही यहां भी होगा।

नाम बदलने से बिहार के लोगों का कल्याण नहीं होने वाला : भाई वीरेंद्र

आरजेडी विधायक भाई वीरेंद्र ने कहा, नाम बदलने से

बिहार के लोगों का कल्याण नहीं होने वाला है आप नाम रखना चाहते हैं आपकी सरकार है रख सकते हैं. आप कुछ भी कर सकते हैं। लेकिन ये जनता बर्दाश्त नहीं करेगी. आने वाले दिनों में जिस तरह से दूसरे देशों में वहां के शासकों की दुर्गति हुई है उसी तरह से यहां के शासकों की भी दुर्गति होने वाली है।

बिहार के हाजीपुर में निर्माणाधीन फोरलेन पुल का स्ट्रक्चर ढहा, 7 मजदूर घायल, रेस्क्यू टीम का इंतजार

हाजीपुर(4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। लालगंज प्रखंड के जलालपुर में गुरुवार को बड़ा हादसा हो गया। यहां निर्माणाधीन पुल गिर गया। हादसे में 5 से 7 मजदूर घायल हो गए हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। वहीं एक मजदूर अब भी लोहे के स्ट्रक्चर में फंसा हुआ है, जिसकी स्थिति काफी गंभीर बनी हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार फंसे हुए मजदूर को लोग पानी पिलाकर जीवित रखे हुए हैं, लेकिन अभी तक कोई राहत एवं बचाव कार्य शुरू नहीं किया गया है। मौके पर अफरातफरी मची हुई है और हजारों की संख्या में ग्रामीण जुटे हुए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि फोरलेन निर्माण कंपनी द्वारा मजदूरों को किसी प्रकार का सेफ्टी टूल उपलब्ध नहीं कराया गया था। हादसे के बाद भी कंपनी द्वारा फंसे मजदूर को निकालने के लिए कोई ठोस पहल नहीं की जा रही है। घटना को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। घायल मजदूर मुजफ्फरपुर जिला का बताया गया है बाकी किसी भी मजदूर के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं दिया गया है। मौके पर हजारों की संख्या में ग्रामीण मौजूद हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कंपनी के द्वारा किसी प्रकार का सेफ्टी टूल का इस्तेमाल नहीं किया गया है। वहीं जो मजदूर फंसे हुए हैं उन्हें निकालने के लिए भी फोर लेन निर्माण कंपनी के द्वारा कोई उचित कार्य नहीं किया जा रहा है।

अबू सलेम को लगा झटका नहीं होगी जेल से रिहाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गैंगस्टर अबू सलेम की याचिका सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी है। 2005 में भारत लाए गए सलेम ने रिहाई की मांग की थी। उसका दावा था कि जेल में अच्छे

व्यवहार के कारण उसे दो साल नौ महीने से अधिक की छूट मिली है। इस तरह उसने प्रत्यर्पण की शर्तों के मुताबिक भारत में 25 साल की जेल पूरी कर ली है।

257 लोगों की मौत वाले 1993 के मुंबई बम धमाका मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे गैंगस्टर का कहना था कि उसे 11 नवंबर 2005 को पुर्तगाल से भारत लाया गया था। भारत सरकार ने पुर्तगाल को आश्वासन दिया था कि उसे 25 साल से ज्यादा की सजा नहीं दी जाएगी। 22 में सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा था कि वह 25 साल की सज़ा पूरी करने के बाद रिहाई की मांग कर सकता है। सलेम के लिए पेश हुए वरिष्ठ वकील ऋषि मल्होत्रा का कहना था कि जेल में अच्छे आचरण के लिए मिली छूट और मुकदमे के दौरान जेल में बिताई अवधि को जोड़ने पर उसकी 25 साल की सज़ा पूरी हो चुकी है। मल्होत्रा ने यह भी कहा कि अब उसे जेल में रखना गैरकानूनी हिरासत के बराबर है। यह उसके संवैधानिक अधिकारों का भी उल्लंघन है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने इन दलीलों को ठुकरा दिया है। जजों ने कहा है कि बॉम्बे हाई कोर्ट की तरफ से की गई गणना के मुताबिक सलेम की सज़ा अभी पूरी नहीं हुई है। सुप्रीम कोर्ट मामले में दखल नहीं देगा। इससे पहले भी सलेम अलग-अलग याचिकाएं दाखिल कर अपनी रिहाई की कोशिश करता रहा है। इसी साल 16 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट ने उसकी एक याचिका को सुनने से मना करते हुए कहा था कि नासिक जेल से मिले दस्तावेज को हिसाब से हाई कोर्ट मामला सुनेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने मांगा केंद्र से जवाब, भेजा नोटिस

» भारत में 18 साल से कम उम्र के बच्चे नहीं चला पाएंगे इंस्टा-फेसबुक?

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को उस याचिका पर नोटिस जारी किया है, जिसमें मांग की गई है कि 18 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया और दूसरे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अकाउंट बनाने की इजाजत नहीं होनी चाहिए। याचिका में सोशल मीडिया के इस्तेमाल करने के लिए सुरक्षा उपायों की भी मांग की गई है, जिसमें माता-पिता या लीगल गार्जियन की सहमति जरूरी होनी चाहिए।

याचिका में कहा गया है कि मेटा और दूसरी सोशल मीडिया कंपनियों ने बच्चों के अकाउंट बनाने की आयुसीमा 13 साल तय की है, जो अमेरिकी कानून के मुताबिक है। जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन अलायंस की फाइल की गई याचिका में कहा गया है कि फेसबुक और स्नैपचैट (इंडिया) जैसे प्लेटफॉर्म यूजर्स को 13 साल की उम्र से अकाउंट बनाने की इजाजत देते हैं, जबकि भारतीय कानून 18 साल से कम उम्र के लोगों को नाबालिग मानता है। याचिका में इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (इंटरमीडियरी गाइडलाइंस और डिजिटल मीडिया एथिक्स कोड) रूल्स, 21 में बदलाव करने या खास गाइडलाइंस बनाने के निर्देश देने की मांग की गई है. जिससे ये सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी डिजिटल प्लेटफॉर्म माता-पिता या कानूनी अभिभावक की सहमति के बिना 18 साल से कम उम्र के बच्चे के साथ सोशल मीडिया कॉन्ट्रैक्ट न कर सके, या ये कॉन्टेक्ट माता-पिता या अभिभावक के वेरिफिकेशन व ई के वाईसी के अधीन होनी चाहिए।

बच्चों को सीधे एक्सेस देने पर सवाल

याचिका में ये भी मांग की गई है कि ऐसी गाइडलाइंस बनाई जाएं जो ये जरूरी करें कि जहां भी किसी नाबालिग को डिजिटल प्लेटफॉर्म एक्सेस करने या इस्तेमाल करने की इजाजत हो, तो ऐसा एक्सेस कानूनी तौर पर मान्यता प्राप्त तरीके से हो, जिसमें माता-पिता या कानूनी अभिभावक शामिल हों. इसमें भी माता-पिता या अभिभावक का वेरिफिकेशन/ई के वाईसी शामिल हो, जो सर्विस के नेचर और रिस्क के हिसाब से हो।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। **विधि सलाहकार**: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी **4 पीएम** न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा**
द्वारा **आस्था प्रिंटर्स**, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक- संजय शर्मा**